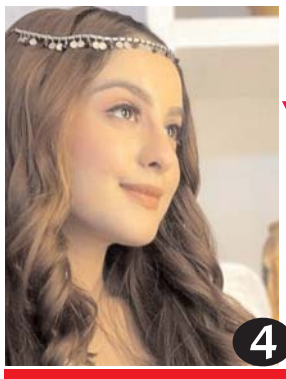

दैनिक

पुष्पांजली टुडे

नई सोच नई पहल

पेज 4

पेज 7

ग्वालियरः वर्षः 3 : अंकः 81 | ग्वालियर गुरुवार, 29 दिसम्बर 2022 | पृष्ठः 8 मूल्यः 2 रुपए

मां हीराबेन अस्पताल में भर्ती, देखने पहुंचे अहमदाबाद पीएम मोदी

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की मां हीराबेन को अस्पताल में भर्ती कराया गया है. तबीयत बिगड़ने के बाद अहमदाबाद के यूएन मेहता अस्पताल में पीएम मोदी की मां भर्ती हैं. वो डॉक्टर्स की निगरानी में हैं. समाचार एजेंसी पीटीआई के मुताबिक उन्हें सांस लेने में तकलीफ महसूस हो रही थी. मां को देखने के लिए पीएम मोदी अहमदाबाद जा रहे हैं. अहमदाबाद के यूएन मेहता अस्पताल की ओर से मेडिकल बुलेटिन जारी किया गया है. इसमें लिखा है कि पीएम मोदी की मां को यूएन मेहता अस्पताल के कार्डियोलॉजी एंड रिसर्च सेंटर अहमदाबाद में भर्ती कराया गया है. उनकी हालत स्थिर है.

गुजरात वोटिंग से पहले मिले थे पीएम मोदी–इससे पहले प्रधानमंत्री गुजरात चुनाव की वोटिंग से पहले मां से मिलने के लिए गुजरात गए थे. जून में भी मां के जन्मदिन के मौके पर भी पीएम मोदी उनसे मिलने के लिए पहुंचे थे. गुजरात विधानसभा चुनाव से एक दिन पहले पीएम मोदी ने मां हीराबेन से मुलाकात की थी. चुनाव से पहले पीएम मोदी ने करीब 45 मिनट अपनी मां के साथ बिताए थे. वहीं, बीते दिन (27 दिसंबर) को पीएम मोदी के छोटे भाई प्रह्लाद मोदी की गाड़ी का एक्सीडेंट हुआ था. इस हादसे में प्रह्लाद मोदी और उनके परिवार के सदस्यों को कुछ हल्की चोटें आईं, जिसके बाद उन्हें मैसूर के जेएसएस अस्पताल भर्ती कराया गया. प्रह्लाद के साथ कार में उनके बेटे मेहुल सवार थे और बच्चे भी थे. मैसूर के करीब बांदीपुरा में उनकी कार दुर्घटनाग्रस्त हो गई. दरअसल, कार डिवाइडर से टकरा गई जिस कारण ये हादसा हो गया.

बीजेपी शिवसेना की सरकार ने विधानसभा में पारित किया महाराष्ट्र लोकायुक्त विधेयक

मुंबई। महाराष्ट्र में भारतीय जनता पार्टी के साथ गठ-जोड़ से बनी शिंदे सरकार ने आज एक अहम विधेयक पारित कर दिया. शिंदे सरकार की ओर से महाराष्ट्र विधानसभा में महाराष्ट्र लोकायुक्त विधेयक 2022 पास किया गया है. इस विधेयक के अनुसार, लोकायुक्त को मुख्यमंत्री के खिलाफ कोई जांच शुरू करने से पहले विधानसभा की मंजूरी लेनी होगी. साथ ही इसके लिए विधानसभा के कुल सदस्यों में से कम से कम दो-तिहाई सदस्यों की मंजूरी जरूरी होगी. महाराष्ट्र लोकायुक्त विधेयक 2022 को विधानसभा में सोमवार को पेश किया गया था. बता दें कि यह वो विधेयक है जिसमें मुख्यमंत्री और मंत्रिमंडल को भ्रष्टाचार रोधी लोकपाल के दायरे में लाने का प्रावधान है. इस विधेयक में यह भी कहा गया है कि लोकायुक्त मुख्यमंत्री के खिलाफ भ्रष्टाचार के आरोप से जुड़े ऐसे मामलों की जांच नहीं करेगा, जो आंतरिक सुरक्षा या सार्वजनिक व्यवस्था से संबंधित होंगे. मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक, महाराष्ट्र लोकायुक्त विधेयक 2022 में यह भी प्रावधान है कि मुख्यमंत्री के खिलाफ भ्रष्टाचार के आरोप से जुड़े किसी ऐसे मामले जो आंतरिक सुरक्षा या सार्वजनिक व्यवस्था से संबंधित हैं, उसकी कोई भी जांच गुप्त रखी जाएगी और अगर लोकायुक्त इस निष्कर्ष पर पहुंचता है कि शिकायत खारिज करने लायक है तो जांच के रिकॉर्ड प्रकाशित नहीं किए जाएंगे या किसी को उपलब्ध नहीं कराए जाएंगे. इस विधेयक का कई दलों के नेता विरोध कर रहे थे. इसके बावजूद महाराष्ट्र विधानसभा में यह विधेयक आज पारित हो गया. इससे पहले महाराष्ट्र विधानसभा से जुड़ी एक अहम खबर यह आई कि नेता प्रतिपक्ष अजित पवार को सरकार ने नागपुर से मुंबई आने के लिए सरकारी विमान उपलब्ध कराया. अजित पवार की पहले से फ्लाइट की टिकट बुक थी लेकिन उन्हें मुंबई लाने के लिए सरकारी प्लेन भेजा गया. इसके चलते महाराष्ट्र में कई तरह की चर्चाएं होने लगीं.

सोनिया गांधी ने ऐसा क्या कहा कि राहुल गांधी को आया दुलार

नई दिल्ली। कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष राहुल गांधी की चर्चा इन दिनों जोरों पर है. पहले भारत जोड़ो यात्रा, फिर कड़ाके की ठंड में टी-शर्ट पहनकर रहने को लेकर और अब राहुल गांधी और सोनिया गांधी का एक वीडियो खूब चर्चा बटोर रहा है. ये वीडियो कांग्रेस के 138वें स्थापना दिवस समारोह का है. जहां पर राहुल भारत जोड़ो यात्रा से ब्रेक लेकर हल्के फुल्के मूड में दिखे और मां सोनिया के साथ-साथ कांग्रेस नेता अंबिका सोनी से बातचीत करते हुए दिखे. इस दौरान राहुल गांधी और सोनिया गांधी का बेहद ही क्यूट मूवमेंट देखने को मिला है. ऐसे कई मौके आए हैं जब राहुल अपनी मां सोनिया गांधी से मिलते हैं तो एकदम छोटे बच्चे की तरह व्यवहार करने लगते हैं. ऐसा ही मौका फिर एक बार देखने को मिला और ये मूवमेंट मीडिया के कैमरों में कैद हो गया. अब ये वीडियो सोशल मीडिया पर जमकर वायरल हो रहा है. दरअसल, ये मौका था कांग्रेस स्थापना दिवस के कार्यक्रम का. जहां पर राहुल गांधी, सोनिया गांधी और अंबिका सोनी तीनों बैठे हुए हैं. इस वीडियो में देखा जा सकता है कि सोनिया गांधी अंबिका सोनी के साथ बातचीत कर रही हैं और ऐसा लग रहा है कि उनसे किसी बात पर कह रही हैं कि आई स्वेर फिर वो अपने गले पर हाथ लगाती हैं. फिर राहुल गांधी अपने हाथों से बड़े प्यार से उनका गाल पकड़कर लाड़ करने लगते हैं और जोर से हंस देते हैं. ये मां-बेटे का प्यार अब सोशल मीडिया पर सुर्खियां बटोर रहा है. ऐसे पहली बार नहीं है जब सोनिया और राहुल के बीच इस तरह का प्यार देखने को मिला है. इससे पहले भी एक बेहद ही खूबसूरत तस्वीर वायरल हुई थी. ये तस्वीर भारत जोड़ो यात्रा के दौरान की थी जब सोनिया गांधी कर्नाटक के मांड्या में शामिल हुई थीं. सोनिया इस दौरान राहुल के साथ काफी देर तक पैदल भी चलीं थीं. इस दौरान राहुल ने सोनिया गांधी के जूतों के फीते बांधे थे. इसके अलावा एक तस्वीर में वो अपनी मां सोनिया को पीछे से गले लगाते हुए दिखे थे.

कर्नाटक-महाराष्ट्र सीमा में बदलाव को लेकर क्या कहता है संविधान ?

महाराष्ट्र-कर्नाटक के बीच सीमा विवाद थमने की बजाय और बढ़ते ही जा रहा है. दोनों ही राज्य विधानमंडल से इस बाबत प्रस्ताव पारित कर अपने दावों को सही ठहराने की कोशिश कर रहे हैं. महाराष्ट्र जहां कर्नाटक के कुछ हिस्सों को अपने में मिलाना चाहता है. वहीं कर्नाटक सरकार राज्य की एक इंच जमीन भी महाराष्ट्र को नहीं देने पर अड़ी है. दरअसल महाराष्ट्र-कर्नाटक दोनों ही आपसी खींचातानी में लगे हुए हैं. भारत एक संघीय गणराज्य है. इसके तहत नया राज्य बनाने, राज्यों की सीमा में बदलाव करने और राज्यों के नाम में बदलाव से जुड़े तमाम प्रावधान भारतीय संविधान में शामिल किए गए हैं. इसको लेकर हमारा संविधान क्या कहता है, इससे जुड़े अधिकार केंद्र के पास है या राज्य के पास, इन तमाम बातों को जानने से पहले ये जान लेना जरूरी है कि महाराष्ट्र और कर्नाटक ने अपने-अपने प्रस्तावों में क्या कहा है. मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे ने महाराष्ट्र विधानमंडल के दोनों सदनों विधानसभा और विधान परिषद में एक प्रस्ताव पेश किया. नागपुर में जारी शीतकालीन सत्र के दौरान इस प्रस्ताव को 27 दिसंबर को दोनों ही सदनों से सर्वसम्मति से पारित कर दिया गया. ये प्रस्ताव बढ़ते सीमा विवाद के बीच कर्नाटक के 865 मराठी भाषी गांवों और दूसरे इलाकों को महाराष्ट्र में विलय करने पर कानूनी रूप से आगे बढ़ने से जुड़ा है. महाराष्ट्र सरकार 865 गांवों और बेलगाम (जिसे बेलगावी भी कहा जाता है), कारवार, निपाणी, बीदर और भाल्की शहरों में रह रहे मराठी भाषी लोगों के साथ मजबूती से खड़ी है. महाराष्ट्र सरकार कर्नाटक में 865 मराठी भाषी गांवों और बेलगाम, कारवार, बीदर, निपाणी, भाल्की शहरों की एक-एक इंच जमीन अपने में शामिल करने के मामले पर सुप्रीम कोर्ट में कानूनी रूप से आगे बढ़ेगी.

सीमा विवाद पर महाराष्ट्र का प्रस्ताव–जब दोनों राज्यों के मुख्यमंत्रियों ने केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह से मुलाकात की थी तो यह तय हुआ था कि मामले में उच्चतम न्यायालय का फैसला आने तक यह सुनिश्चित किया जाए कि इस मामले को और न भड़काया जाए. हालांकि, कर्नाटक सरकार ने अपनी विधानसभा में एक प्रस्ताव पारित कर इससे विपरीत कदम उठाया.

क्या कहता है कर्नाटक का प्रस्ताव–महाराष्ट्र के साथ सीमा विवाद पर कर्नाटक विधानसभा में 22 दिसंबर को सर्वसम्मति से एक प्रस्ताव पारित किया था. मुख्यमंत्री बसवराज बोम्मई की ओर से पेश इस प्रस्ताव में महाराष्ट्र की ओर से खड़े किए गए सीमा विवाद की निंदा करते हुए राज्य के हितों की रक्षा का संकल्प जाहिर किया गया था.

सीमा विवाद पर कर्नाटक का प्रस्ताव–कर्नाटक की भूमि, जल, भाषा और कन्नड़ के लोगों के हित से संबंधित मामलों पर कोई समझौता नहीं किया जाएगा. कर्नाटक के लोगों और सदस्यों (विधानसभा के) की भावनाएं इस विषय में एक हैं, और यदि यह प्रभावित होती है, तो हम सभी एकजुट होकर राज्य के हितों की रक्षा के लिए संवैधानिक और कानूनी उपाय करने के लिए प्रतिबद्ध हैं.

सीमा विवाद पर कर्नाटक का प्रस्ताव–महाराष्ट्र के लोगों की ओर से अनावश्यक तौर से पैदा किए गए सीमा विवादों की निंदा करते हुए यह सदन सर्वसम्मति से एक प्रस्ताव पारित करता है कि यह राज्य के हितों की रक्षा के लिए प्रतिबद्ध है.

दोनों राज्यों की ओर से बयानबाजी तेज़–इस मुद्दे पर दोनों ही राज्य एक-दूसरे के प्रस्ताव को ग़लत ठहरा रहे हैं. दोनों राज्यों के नेताओं की ओर से तरह-तरह की बयानबाजी भी हो रही है. उद्धव ठाकरे गुट के शिवसेना ने तो महाराष्ट्र विधानसभा में इतना तक मांग कर दी कि सुप्रीम कोर्ट का फैसला आने तक कर्नाटक में शामिल 865 गांवों को केंद्र शासित प्रदेश घोषित कर दिया जाए. कर्नाटक के मुख्यमंत्री बसवराज बोम्मई ने सीमा मुद्दे पर महाराष्ट्र के प्रस्ताव को गैर जिम्मेदाराना और संघीय ढांचे के खिलाफ बताया है. कर्नाटक के सीएम बोम्मई ने भरोसा जताया है कि सुप्रीम कोर्ट से उनके राज्य को न्याय मिलेगी. कर्नाटक कहता रहा है कि ये बंटवारा राज्य पुनर्गठन अधिनियम 1956 के तहत हुआ था और इसको अब काफी वक्त हो गया है. दोनों तरफ के लोग शांति से रह रहे हैं. ऐसे में महाराष्ट्र बेवजह ही इस मामले को तूल दे रहा है.

राज्यों की सीमाओं में बदलाव से जुड़ा मुद्दा–महाराष्ट्र-कर्नाटक के बीच सीमा विवाद का मुद्दा सुप्रीम कोर्ट में लंबित है. महाराष्ट्र के प्रस्ताव और कर्नाटक के प्रस्ताव में एक बारीक अंतर है. जहां कर्नाटक कहता है कि वो अपनी जमीन नहीं देगा, वहीं महाराष्ट्र के प्रस्ताव में जिन शब्दों का उल्लेख किया है, उससे साफ जाहिर है कि महाराष्ट्र मौजूदा कर्नाटक के कुछ हिस्सों को अपने में मिलाना चाहता है. यहीं से ये मुद्दा राज्यों की सीमाओं में बदलाव से जुड़ जाता है.

नीतीश कुमार पर फिर बरसे प्रशांत किशोर

नई दिल्ली। चुनावी रणनीतिकार प्रशांत किशोर लगातार बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार और पीएम मोदी पर हमलावर हैं. अपनी जन सुराज पदयात्रा के दौरान एक बार फिर पीके ने नीतीश को घेरने की कोशिश की है. पूर्वी चंपारण में प्रशांत किशोर ने कहा कि ये लोग आज हमारे साथ राजनीति कर रहे हैं. हमारे बनाए हुए देश में आज छह मुख्यमंत्री हैं. तमिलनाडु, तेलंगाना, बंगाल और दिल्ली आज वे लोग चला रहे हैं जिनकी जीत में मैंने अपना कंधा लगाया है. इस दौरान नीतीश को निशाने पर लेते हुए पीके ने कहा कि अगर उन्हें वोट देंगे तो ठगा ही महसूस करेंगे. प्रशांत किशोर ने अपनी पदयात्रा के दौरान कहा कि इतने मुख्यमंत्रियों की जीत में मैंने अपना कंधा लगाया है, इसके बावजूद हमको 100 गाड़ी और 500 लड़के रखने के लिए पैसा नहीं मिलेगा? कहां आप लोग भ्रम में हैं. पीके पूर्वी चंपारण में एक छोटी सी जनसभा को संबोधित कर रहे थे. जहां उन्होंने कहा, हम अपना दिल फाड़कर दिखा देंगे, फिर भी आप लोग नहीं मानेंगे. इसीलिए हम लोग बार-बार कह रहे हैं कि वोट नहीं दीजिए, लेकिन इस विचार को देखिए, जांचिए और मूल्यांकन कीजिए. अगर भरोसा हो तो साथ चलिए और अगर भरोसा नहीं हो तो जीतने के बाद करिएगा, घरबाइए नहीं हम आपका वोट लेने नहीं आए हैं. सच की अपनी ताकत होती है.

गोडसे की विचारधारा से लड़ना है–प्रशांत किशोर ने अपने भाषण में आगे कहा, हम रोज कह रहे हैं कि भाजपा को महागठबंधन नहीं हरा सकता है. देखिए खुदा ने भी कैसे हमारी मदद की, दो-दो उपचुनाव हुए और दोनों जगह महागठबंधन वाले हारे हैं. आगे भी जितने चुनाव होंगे उसमें महागठबंधन की हार होगी, आप वोट देकर देख लीजिए. लोहे को लोहा काटता है. जिस भाजपा से आप लड़ना चाहते हैं वो विचारधारा आधारित व्यवस्था है, अगर गोडसे की विचारधारा से लड़ना है तो गांधी की विचारधारा वाली व्यवस्था को खड़ा करना पड़ेगा. इसीलिए हम ये प्रयास कर रहे हैं. ठीक लगे तो बहुत अच्छा है, अगर नहीं ठीक लगे तो जहां हैं वहां रहिए. नीतीश को वोट दीजिएगा तो ठगे ही जाओगे. इससे पहले चुनावों में रणनीति तैयार करने वाले प्रशांत किशोर ने नीतीश को लेकर बड़ा दावा किया था. जिसमें उन्होंने कहा था कि नीतीश कुमार जल्द पलटी मारने वाले हैं, वो दिल्ली में बीजेपी के साथ मिले हैं. उन्होंने कहा कि बिहार में तो नीतीश महागठबंधन के साथ हैं, लेकिन दिल्ली में उनके सांसद बीजेपी के साथ मिलकर कानून बनवा रहे हैं.

हैकर ने चुराया 3 करोड़ रेल यात्रियों का डेटा

नई दिल्ली। भारत के टॉप मेडिकल इंस्टीट्यूट अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान के डेटा उल्लंघन के बाद एक रिपोर्ट सामने आई है. इस रिपोर्ट में खुलासा हुआ है कि भारतीय रेलवे में अब तक हैकर्स ने 3 करोड़ लोगों का डेटा चुराया है. हालांकि, इस रिपोर्ट की अभी चक आधिकारिक पुष्टि नहीं की गई है. रिपोर्ट के मुताबिक, चुराए गए डेटा में व्यक्तिगत जानकारी शामिल है. इसमें ईमेल आईडी, मोबाइल नंबर, पता और उम्र संबंधी डिटेल शामिल है. रिपोर्ट के मुताबिक, एक हैकर फोरम ने 27 दिसंबर को इस घटना को अंजाम दिया था. हैकर फोरम की असली पहचान सामने नहीं आई है लेकिन इसे शैडो हैकर के नाम से जाना जाता है. आरोप है कि हैकर फोरम 3 करोड़ यात्रियों के डेटा को डार्क वेब पर बेच रहा है. हैकर ग्रुप ने कहा कि उसके पास भारतीय रेलवे में टिकट बुक कराने वाले तीन करोड़ लोगों के ईमेल और मोबाइल नंबर समेत कई पर्सनल जानकारियां हैं. दावा किया गया है कि उसने कई सरकारी विभागों के आधिकारिक ईमेल अकाउंट को भी चुराया है. इससे पहले, इलेक्ट्रॉनिक्स और आईटी राज्य मंत्री राजीव चंद्रशेखर ने कहा कि एम्स दिल्ली के सर्वर पर रैनसमवेयर हमला एक साजिश है. इलेक्ट्रॉनिक्स और सूचना प्रौद्योगिकी मंत्रालय, दिल्ली साइबर क्राइम स्पेशल सेल, इंडियन साइबर क्राइम कोऑर्डिनेशन सेंटर, इंटेलिजेंस ब्यूरो, सेंट्रल ब्यूरो ऑफ इन्वेस्टिगेशन, नेशनल फॉरेंसिक साइंसेज यूनिवर्सिटी, नेशनल क्रिटिकल इंफॉर्मेशन इंफ्रास्ट्रक्चर प्रोटेक्शन सेंटर और नेशनल इन्वेस्टिगेशन एजेंसी के भीतर इंडियन कंप्यूटर इमरजेंसी रिस्पांस टीम, सभी मिलकर इस मामले की जांच में जुटी हुई हैं. इसी साल मई में हैकर्स ने स्पाइसजेट एयरलाइंस के सर्वर को भी अपना शिकार बनाया था. इसकी वजह से कई फ्लाइट्स भी कैंसिल हुई थीं. दर्जनों फ्लाइट्स के शेड्यूल में फेर बदल किया गया था. यह बात भी सामने आई थी कि इसके लिए स्पाइसजेट ने हैकर्स को करोड़ों रुपये का भुगतान किया था.

लोकतंत्र देश के 'डीएनए' में गहराई से समाया हुआ है

केंद्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान ने भारत को लोकतंत्र की जननी÷ बताते हुए मंगलवार (27 दिसंबर) को कहा कि लोकतंत्र देश के 'डीएनए' में गहराई से समाया हुआ है. केंद्रीय मंत्री ने मंगलवार को राष्ट्रीय सम्मेलन में कहा कि भारत का गौरवशाली इतिहास और शिक्षा इसकी सबसे बड़ी संपत्ति रही है. प्रधान ने कहा कि हमें यह याद रखना चाहिए कि हमारा दायित्व केवल देश के गौरव की रक्षा करना ही नहीं, बल्कि विश्व को उसके मूल्यों से प्रेरित करना भी है. उन्होंने कहा, भारत वैश्विक नेता है और 500 करोड़ वैश्विक नागरिकों का केंद्र बिंदु भी है. हमारा देश लोकतंत्र की जननी है. लोकतंत्र भारत के 'डीएनए' में गहराई से समाया हुआ है. केंद्रीय मंत्री ने कहा कि देश भर के छात्रों को राष्ट्रीय शिक्षा नीति के तहत 26 जनवरी, 2023 से वसंत पंचमी के अवसर पर भारतीय इतिहास का सही संस्करण पढ़ाया जाएगा. उन्होंने बताया कि राष्ट्रीय शिक्षा नीति हमें अनेक अवसर प्रदान कर रही है. आज भारत में मातृभाषा को प्राथमिकता देने से लेकर पढ़ाई के लिए 200 टीवी चैनल, डिजिटल यूनिवर्सिटी जैसे प्रयास हो रहे हैं. उन्होंने कहा, ÷इतिहासकारों को इनके लिए ज्ञानवर्धक, वैज्ञानिक सामग्री तैयार करना होगा. हमें 21वीं सदी में भारत की प्राचीन संस्कृति और सभ्यता को एक नया वैश्विक परिप्रेक्ष्य देना चाहिए.केंद्रीय शिक्षा मंत्री ने कहा कि अखिल भारतीय इतिहास संकलन योजना द्वारा 75 पुरानी किताबों को नई रचनाओं के साथ फिर से प्रकाशित किया जा रहा है. प्रधान ने कहा कि यह किताबें भारत के बौद्धिक जगत को स्पष्टता देंगी.

यूं ही भारत जोड़ो यात्रा से दूरी नहीं रख रहे अखिलेश-मायावती-जयंत

नई दिल्ली। कन्याकुमारी से कश्मीर तक राहुल गांधी के नेतृत्व में निकाली जा रही भारत जोड़ो यात्रा तीन जनवरी को उत्तर प्रदेश पहुंचेगी. कांग्रेस ने इस यात्रा में शामिल होने के लिए समाजवादी पार्टी के अध्यक्ष अखिलेश यादव, आरएलडी चीफ जयंत चौधरी और बसपा सुप्रीमो मायावती को निमंत्रण भेजा है. इतना ही नहीं, कांग्रेस ने भाजपा नेता दिनेश शर्मा को भी भारत जोड़ो यात्रा का न्योता भेजा है. दरअसल, भारत जोड़ो यात्रा के जरिये कांग्रेस 2024 के लोकसभा चुनावों से पहले पूरे देश में राहुल गांधी और पार्टी के पक्ष में सियासी माहौल तैयार करने की कोशिश कर रही है. हालांकि, कांग्रेस इस बात से इनकार ही करती है. पार्टी के कई वरिष्ठ नेताओं ने इस अवधारणा को खारिज करने की कोशिश भी की है. वहीं, इस बारे में जब सपा अध्यक्ष अखिलेश यादव से सवाल पूछा गया, तो उन्होंने निमंत्रण मिलने से ही इनकार कर दिया. वैसे, अखिलेश यादव इस मामले में अकेले नहीं हैं. आरएलडी नेता जयंत चौधरी ने भी कार्यक्रम की व्यस्तता का हवाला देते हुए भारत जोड़ो यात्रा में शामिल होने से तकरीबन मना ही कर दिया है. वहीं, बसपा सुप्रीमो मायावती के इस यात्रा में शामिल होने की संभावना शून्य ही कही जा सकती हैं. भाजपा नेता दिनेश शर्मा के भी भारत जोड़ो यात्रा में शामिल होने की उम्मीद नहीं है. सवाल उठना लाजिमी है कि आखिर अखिलेश-मायावती-जयंत भारत जोड़ो यात्रा से दूरी क्यों बना रहे हैं।

2017 के यूपी विधानसभा चुनाव के दौरान सपा अध्यक्ष अखिलेश यादव ने कांग्रेस के साथ गठबंधन किया था. उस दौरान अखिलेश यादव और राहुल गांधी की जोड़ी को यूपी के लड़के का नाम दिया गया था. हालांकि, चुनावी नतीजों में सपा और कांग्रेस का ये गठबंधन मुंह के बल गिर पड़ा था. 2017 के यूपी विधानसभा चुनाव में भाजपा के एनडीए गठबंधन को रिकॉर्ड 325 सीटों पर जीत मिली थी. वहीं, सत्ताधारी पार्टी समाजवादी पार्टी के साथ कांग्रेस को भी जनता ने पूरी तरह से नकार दिया था. सपा-कांग्रेस के इस गठबंधन को महज 54 सीटों के साथ संतोष करना पड़ा था. इसमें कांग्रेस का हाल तो सबसे खराब था. पार्टी को केवल सात विधानसभा सीटों पर ही जीत हासिल हुई थी. इसके कुछ ही समय बाद ये गठबंधन टूट गया था. 2019 के लोकसभा चुनाव में समाजवादी पार्टी ने बसपा सुप्रीमो मायावती से गठबंधन किया था, लेकिन ये भी फेल ही रहा था. आसान शब्दों में कहें, तो समाजवादी पार्टी और अखिलेश यादव को बड़े सियासी दलों का साथ लेने का कोई फायदा नहीं पहुंचा था. वहीं, 2022 के यूपी विधानसभा चुनाव में छोटे सियासी दलों के साथ किए गए गठबंधन में अखिलेश यादव को 111 सीटों पर जीत हासिल हुई थी. इस संभावना से इनकार नहीं किया जा सकता है कि उत्तर प्रदेश में सपा को मजबूत करने की कोशिश में जुटे अखिलेश यादव कांग्रेस के साथ गठबंधन का खतरा मोल नहीं लेना चाहेंगे. राष्ट्रीय लोक दल यानी आरएलडी के चीफ जयंत चौधरी को समाजवादी पार्टी का खूब रास आ रहा है. भले ही आरएलडी ने यूपी विधानसभा चुनाव में 8 सीटें ही जीती हों, लेकिन हाल ही में हुए खतौली विधानसभा उपचुनाव में भी जयंत चौधरी का सिक्का चला था. आरएलडी ने भाजपा के कब्जे वाली ये सीट 22 हजार वोटों से जीती थी. जयंत चौधरी को समाजवादी पार्टी ने राज्यसभा भी भेजा है, तो वो शायद ही अखिलेश यादव का साथ छोड़ना चाहेंगे. वैसे भी सपा के साथ रहते हुए पश्चिमी यूपी में आरएलडी और मजबूत ही हुई है. कुल मिलाकर कांग्रेस की दाल आरएलडी नेता जयंत के सामने भी नहीं गलनी है.

मायावती का हाथी अपनी अलग ही राह पर–बसपा सुप्रीमो मायावती ने यूपी विधानसभा चुनाव 2022 में किसी भी सियासी दल के साथ गठबंधन नहीं किया था. इतना ही नहीं, मायावती ने विधानसभा चुनाव अखिलेश यादव की मुश्किलें बढ़ाने में भी कोई कोर-कसर नहीं छोड़ी थी. साथ ही मायावती ने ये भी ऐलान कर ही दिया है कि बसपा का सपा से गठबंधन नामुमकिन है. इस लिहाज से अगर कांग्रेस की भारत जोड़ो यात्रा में मायावती और अखिलेश यादव का एकसाथ शामिल होना मुश्किल ही है. हां, अगर कांग्रेस केवल मायावती को निमंत्रण देती, तो कुछ होने की संभावना भी थी. वैसे भी अखिलेश-जयंत-मायावती जैसे दिग्गज नेता यूपी में अपना जनाधार खो चुकी कांग्रेस के साथ शायद ही कोई संबंध रखना चाहेंगे. सपा, बसपा और आरएलडी जैसे सियासी दल 2024 के लोकसभा चुनाव की तैयारियों में पहले से ही जुटे हुए हैं. कांग्रेस को साथ में जोड़कर वो लोकसभा सीटों के बंटवारे में एक और हिस्सेदार को नहीं जोड़ना चाहेंगे.

लोगों के कल्याण और जिले के विकास के लिए सभी मिलकर कार्य करें: जिला पंचायत अध्यक्ष

जिला पंचायत अध्यक्ष श्री गोपाल सिंह इंजीनियर की अध्यक्षता में सामान्य सभा की बैठक संपन्न, विभिन्न विभागें की योजनाओं एवं विकास कार्यो की समीक्षा

रघुवर दयाल गोहिया

सीहोर। जिला पंचायत सभाकक्ष में जिला पंचायत अध्यक्ष श्री गोपाल सिंह इंजीनियर की अध्यक्षता में सामान्य सभा की बैठक आयोजित की गई। बैठक में संचालित योजनाओं एवं कार्यो तथा प्रधानमंत्री सड़क, लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी, स्वास्थ्य, विधुत सहित अन्य विभागों के कार्यो की समीक्षा की गई। बैठक में इछावर विधायक श्री करण सिंह वर्मा, आष्ठा विधायक श्री रघुनाथ मालवीय एवं जिला पंचायत उपाध्यक्ष श्री राजेंद्र श्री राजपूत सहित अनेक सदस्यों ने संबंधित विभागों के निर्माण कार्यो पर चर्चा के साथ ही अनेक नवीन कार्यो के प्रस्ताव दिए। इसके साथ ही योजनाओं के क्रियान्वयन एवं संचालन को बेहतर बनाने के लिए अनेक सुझाव भी दिए। बैठक में जिला पंचायत के अध्यक्ष गोपाल सिंह इंजिनियर ने सभी सदस्यों एवं अधिकारियों से कहा कि शासकीय योजनाओं का लाभ जन-जन तक पहुंचाना है, ताकि कोई भी व्यक्ति वंचित ना रहे। उन्होंने कहा कि विभागों के अधिकारी योजनाओं के क्रियान्वयन एवं संचालन के समय यह सुनिश्चित करें कि शासन के मापदंडों के अनुरूप सभी निर्माण एवं विकास के कार्य गुणवत्ता पूर्ण हो और अगर कहीं कोई कमी रहती है, जिसकी ओर

सदस्यों का ध्यान दिलाया जाता है तो उस पर अमल किया जाए । उन्होंने कहा कि हम सभी का एक ही उद्देश्य है कि अधिक से अधिक लोगों के कल्याण और विकास के काम किए जाएं। उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिए कि सदस्यों द्वारा बैठक में जो नए कार्यों के प्रस्ताव दिए हैं। उन पर कार्यवाही कर प्रस्ताव शासन को भेजे जाएं। बैठक में दोनों विधायक श्री करण श्री वर्मा एवं श्री रघुनाथ मालवीय तथा अनेक सदस्यों ने कहा कि जल जीवन मिशन के तहत पाइप डालते समय जो सड़कें क्षतिग्रस्त हुई है, उनकी मरम्मत की जाए। इसके साथ ही विधुत विभाग द्वारा बिजली बिल अधिक दिए जा रहे हैं उन्हें नियमानुसार कम किया जाए। इसके साथ ही मंजरे टोले का विद्युतीकरण किया जाए। बैठक में जिला पंचायत के मुख्य कार्यपालन अधिकारी श्री हर्ष सिंह ने सभी अधिकारियों को निर्देश दिए कि सदस्यों द्वारा जो प्रस्ताव दिए गए हैं, उन पर आगामी कार्यवाही की जाए। इसके साथ ही सदस्यों द्वारा जो समस्याएं एवं कमियां बताई गई हैं उनका शीघ्र निराकरण किया जाएगा। बैठक में जानकारी दी गई कि प्रधानमंत्री ग्राम सड़क योजना के तहत सीहोर जिले में 1836.13 किलोमीटर लंबाई की सड़कें स्वीकृत है। जिसमें विभिन्न चरणों में 1853. 44 कार्य किया गया है। प्रधानमंत्री ग्राम सड़क योजना में कुल उपलब्धि 98.2 6त्न रही हैद्य पीएचई विभाग की समीक्षा के दौरान जानकारी दी गई कि जिले में कुल 432 नल जल योजनाएं जल जीवन मिशन के अंतर्गत स्वीकृत की गई हैंद्य विद्युत वितरण कंपनी की समीक्षा के दौरान यह जानकारी दी गई कि जिले के 757 गांव विधुतिकृत हैं। अटल योजना के तहत 125658 उपभोक्ताओं को 6 करोड़ 18 लाख रुपए से अधिक की सब्सिडी दी गई है।

नगर परिषद् रत्नौद में सब्जी विक्रेताओं ने सीएमओ महोदय को ज्ञापन सौपा

संवाददाता प्रदीप जैन रत्नौद

नगर में सब्जी मंडी के लिए जगह उपलब्ध कराने का आग्रह किया बता दे की नगर रत्नौद में सब्जी मंडी नही है तो सब्जी विक्रेता अपनी दुकान बस स्टैंड मार्केट पर लगाते हैं जिससे आने-जाने वाले वाहनों को परेशानी का सामना करना पड़ता है बता दें कि नगर में शुक्रवार को हाट बाजार लगता है जिससे काफी भीड़ भाड़ रहती है भीड़ होने के कारण हर आए दिन मार्केट में आने जाने वाले बहनों से खतरे का डर लगा रहता है इस कारण सभी सब्जी विक्रेताओं ने नगर परिषद सीएमओ को ज्ञापन देकर सब्जी मंडी की मांग की।

कोविड गाईड लाईन के अनुसार स्वास्थ्य केंद्र कैलारस में मॉक ड्रिल हुआ आयोजन

गौरव शर्मा पुष्पांजलि टुडे

कैलारस- स्वास्थ्य केंद्र कैलारस में आज स्टाफ के द्वारा भारत सरकार की गाईड लाईन के अनुसार मॉक ड्रिलका आयोजन किया गया। बीएमओ डॉ एस आर मिश्रा ने जानकारी देते हुए बताया कि स्वस्थ केंद्र कैलारस भारत सरकार की गाईड लाईन के अनुसरा उपस्थित स्टाफ के द्वारा मॉक ड्रिल किया की कोई भी कोवीड का मरीज स्वाथ्य केंद कैलारस आता हैं तो कोविड के नियम का पालन करते हुए उसको किस तरीके से बार्ड में शिप्ट करना है किस तरीके से उसकी जांच करनी हैं ओर स्वयं को (एच ए आई) होस्पिटल एक्काटेड इंफेक्शन से बचा जा सके बही डॉ रिचा शाक्य ने

बताया कि आज स्वास्थ्य केंद्र कैलारस भारत सरकार की गाइड लाइन के अनुसार में मोकडरॉल किया जिसमें किस तरीके से कोविड मरीज का इलाज करना है उससे होने बाले इंफेक्शन से कैसे बचना हैं एव स्वास्थ्य केंद्र कैलारस में अन्य आने वाले सामान्य मरीजों को भी कैसे बचाना है किस तरीके से जांच एव इलाज करना हैं बही मॉक ड्रिल के दौरान एम्बुलेंस के द्वारा एक मरीज को स्वाथ्य केंद्र लाया गया बही बीएमओ डा एस आर मिश्रा सहित मेडिकल टीम कोविड पेशेंट को ले जाने की स्ट्रक्चर लेकर खड़ी हुई थी जिस पर मरीज को लिटा कर कोविड रूम में ले जाया गया बही डॉ रिचा शाक्य के द्वारा कोवीड मरीज का चेकअप किया और उसको कोवीड बार्ड में शिप्ट किया गया उसके बाद उसका इलाज शुरू किया गया बही कोवीड मरीज को लाने बाली एम्बुलेंस को सेनेटाइजर छिड़काव कराया गया। मॉक ड्रिल के दौरान बीएमओ डॉ एस आर मिश्रा, डॉ ए के गुप्ता,डॉ मनीष शर्मा, डॉ रिचा शाक्य, उमा शंकर उपाध्याय, सुरेश शर्मा,मनीराम शर्मा सहित हॉस्पिटल स्टाफ मौजूद रहा।

फैक्ट्री में ड्यूटी आते समय सुरक्षा गार्ड की छीनी बंदूक

मालनपुर संवाददाता
पुष्पांजलि टुडे संवाददाता

मालनपुर। मालनपुर थाना अंतर्गत हॉटलाइन के पास बनी इकाई ओम प्लास्टिक में मंगलवार शाम ड्यूटी करने आ रहे सिक्योरिटी गार्ड की बंदूक छीन ली रामबाबू उपाध्याय पुत्र रामेश्वर उम्र 64 साल निवासी सर्वा ने मालनपुर थाना पुलिस को बताया की हम ओम प्लास्टिक कंपनी में शाम को सिक्योरिटी गार्ड की नौकरी करने जा रहे थे शाम को 6:45 पर हॉटलाइन रोड पर अज्ञात मोटरसाइकिल पर आए तीन बदमाशों ने मारी 315 बोर की लाइसेंसी बंदूक छीनकर भाग गए।

इनका कहना है कि मालनपुर थाना प्रभारी विनोद करकरे ने अज्ञात बदमाशों पर मुकदमा दर्ज कर तलाश शुरू कर दी।

जौरा विधानसभा में भारत जोड़ो यात्रा को मिल रहा है अभूतपूर्व समर्थन भारत जोड़ो यात्रा पहुंची बड़ा गांव

हाथ जोड़ो अभियान का संदेश गांधी चौपाल के माध्यम से हुई बैठक

गौरव शर्मा पुष्पांजलि टुडे

कैलारस। इन दिनों देशभर में विगत 90 दिनों से राहुल गांधी द्वारा निकाली जा रही भारत जोड़ो यात्रा जारी है एव हाथ से हाथ जोड़ो अभियान का संदेश गांधी चौपाल के माध्यम से गांव गांव में बैठकों का भी आयोजन किया जा रहा है जगह-जगह भारत जोड़ो यात्रा को समर्थन में भारत जोड़ो पर यात्रा निकाली जा रही हैं ऐसी ही एक उप यात्रा जौरा विधानसभा में पूर्व में भी जौरा विधानसभा के वरिष्ठ कांग्रेस जोरा ब्लॉक कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष युवा नेता भानु प्रताप सिंह सिकरवार चिंटू भैया एवम हरी सिंह कुशवाह जिला पंचायत सदस्य मुरैना द्वारा पूर्व में निकाली गई थी अब उसी क्रम में जौरा विधानसभा में भारत जोड़ों यात्रा का तृतीय चरण में प्रथम दिन बुधवार को ग्राम बड़ागांव से प्रारंभ हुई जो कुरैली,लाभकरन का पुरा एव लाभकरन, में विश्राम हुआ यहां बता दें कि नेताद्वय द्वारा जौर विधानसभा के करीब आधा सैकड़ा गांव में भारत जोड़ो यात्रा निकाली गई बावजूद इसके भी जौरा विधानसभा की देश भर में इस यात्रा को लेकर उत्साह का एक के कई गांवो मे यात्रा के दौरान जनसंपर्क किया! माहौल है उसी को देखते हुए जौरा विधानसभा में

भी तृतीय चरण की भारत जोड़ो यात्रा आज बुधवार को 28 दिसंबर से नेताद्वय भानु प्रताप सिंह सिकरवार, हरि सिंह कुशवाहा के नेतृत्व में ग्राम बड़ागांव से प्रारंभ हुई।

इस दौरान नेता जी ने अपने उद्बोधन में कहा कि हम क्षेत्रीय जनता से भी अपील करते हैं कि अपने हक अधिकार और जन हितेषी जन वैकल्पिक नीतियों के लिए कांग्रेस का साथ दें और इस यात्रा में ज्यादा से ज्यादा संख्या में अपनी भागीदारी निभाएं क्योंकि देश आज उस परिस्थिति से गुजर रहा है जहां कोई भी गरीब मजदूर मजदूर असहाय बेसहारा की बात सुनने की जहमत नहीं उठाता कांग्रेस पार्टी गरीब महिला मजदूर की आवाज उठाने के लिए प्रतिबद्ध है और हमेशा से उठाती रहेगी इस अवसर पर नेताद्वय के साथ भानु प्रताप सिंह सिकरवार, जिला पंचायत सदस्य ,हरिसिंह कुशवाह,केदार शर्मा, विश्वनाथ शर्मा,रामप्रकाश जाटव,पार्वती जाटव, रानी खान, विमलेश शाक्य,पूनम जाटव, धर्मेंद्र सिंह,अरुण सिकरवार, सौरव शर्मा, सहित आधा सैकड़ा कांग्रेस कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

भाजपा युवा मोर्चा के प्रदेश अध्यक्ष का मालनपुर में हुआ भव्य स्वागत

पुष्पांजलि टुडे संवाददाता मालनपुर
पहलवान सिंह राजावत

मालनपुर प्रथम नगर आगमन पर मालनपुर हनुमान चौराहे पर भारतीय जनता पार्टी युवा मोर्चा के प्रदेश अध्यक्ष वैभव पवार एवं युवा मोर्चा के राष्ट्रीय मंत्री व मध्य प्रदेश के प्रभारी रोहित चहल का भव्य स्वागत किया गया ढोल नगाड़े पटाखे फोड़ कर माला पहनाकर कर मालनपुर मंडल अध्यक्ष अनिल शर्मा के नेतृत्व में सैकड़ों की संख्या में युवा कार्यकर्ता का स्वागत किया इसमें मौजूद रहे जिला अध्यक्ष विक्रांत कुशवाह, उपाध्यक्ष सत्येंद्र गुर्जर, युवा नेता सचिन शर्मा, विष्णु शर्मा, शिवम दुबे, रोकी जैन, राम जैन आदि एक सेकड़ा से ज्यादा कार्यकरता मौजूद रहे।

प्रथम आगमन पर मण्डल मौं ने किया युवा मौर्चा प्रदेश अध्यक्ष का भव्य स्वागत

बेताल गौड़ पुष्पांजलि टुडे

मौ। मंडल अध्यक्ष गोपाल सिंह कुशवाह ने अपनी समस्त टीम के साथ युवा मौर्चा के प्रदेश अध्यक्ष बैभव पवार भिण्ड प्रथम आगमन् पर टोल प्लाजा मालनपुर पर स्वागत किया इस अबसर पर भिण्ड जिला अध्यक्ष देवेन्द नरवरिया जी युवा मौर्चा जिलाध्यक्ष ब्रकान्त कुशवाह पिं सर्ग मौर्चा जिलाध्यक्ष धर्मैन्द गुर्जर मौं मंण्डल अध्यक्ष गोपाल सिंह कुशवाह युवा मोर्चा मंण्डल अध्यक्ष रामनिबास यादव पिं सर्ग मोर्चा मंण्डल अध्यक्ष रघुराज गुर्जर युवा मौर्चा जिला उपाध्यक्ष रामखत्यार गुर्जर कार्यालय मंत्री डॉक्टर बेताल सिंह गौड़ किसान मोर्चा मंण्डल अध्यक्ष पर्वत सिह जादोंन महेन्द परिहार शतीष परिहार आगम जैंन नरेन्द कुशवाह राजीब जैन रिकू जादोंन मनीष कुशवाह नितेन्द यादव प्रदीप कुशवाह मैहबूब खांन अबदेश श्रीवास अजय झां सुल्तान मोर्य राजू मिश्रा सूरज खटीक रामकुमार जादौंन रामनरेश कुशवाह संतोष यादव रामकेश गुर्जर बबली यादव धर्मेन्द राणा अरुण बाल्मीकि, संतोष खटीक दीपक यादव बन्टी गुर्जर गनेशराम जाटव, पूरन गोयल, आकाश शाक्य, सुनील गोयल बलबीर गोयल उदयबीर धानुक।

अरुणेश सिंह भदोरिया एक ऐसा नाम जो हमेशा गरीबों की मदद करने के नाम से पहचाना जाता है

जनशक्ति वेलफेयर सोसाइटी के राष्ट्रीय अध्यक्ष एवं वरिष्ठ समाजसेवी अरुणेश सिंह भदौरिया पिछले 36 सालो से ग्वालियर में निवासरत है उनके पिताजी फौज में थे जिससे उन्होंने हमेशा देश की सेवा करने का सपना देखा और वह किसी और तरीके से भी सेवा कर रहे हैं अरुणेश भदोरिया का सामाजिक जीवन में काफी योगदान रहा है आप कई संस्थाओ से जुड़े रहे जॉइंट सेक्रेटरी के पद पर रॉट्री क्लब जय ग्वालियर सिटी में कार्य किया, साई ट्रस्ट मंडल ग्वालियर के आजीवन सदस्य है, प्रतापसेना से जुड़कर लोगो की मदद की , वर्तमान में संथापक एवं राष्ट्रीय अध्यक्ष के पद पर जनशक्ति वेलफेयर सोसाइटी में अपना बहुमूल्य योगदान दे रहे है इसके साथ ही सीनियर मैनेजर के पद पर एशिया की सबसे बड़ी ऑटो एंसीलरी कंपनी जमुना ऑटो इंडस्ट्रीज लिमिटेड में कार्य कर रहे है एवं कई लोगो को रोजगार दिलवाने में भरपूर सहयोग कर रहे हैं और नौकरी भी मुहैया करवाई है अभी हाल ही में एक लड़की की शादी में 51000 का

चेक दिया एवं शादी की पूरी जिम्मेदारी लेकर शादी सम्पन करवाई।

उनका केवल इतना ही कहना है की यदि कोई आपकी बात को रिजेक्ट भी करता है करने दो, क्योंकि सस्ती चीजों को लोग ज्यादा पसंद करते है इसलिए कर्म करो बाकि सब प्रभु करेंगे। जनवरी 2017 में फक्कड़ बाबा आश्रम बगिया वाले

वरिष्ठ समाजसेवी अरुणेश सिंह भदोरिया का परिचय उनके जन्मदिन पर विशेष लेख

हनुमानजी, न्यू अशोक कॉलोनी , मुरार में राम दरबार की स्थापना में दिल खोलकर सहयोग किया और एक विशाल भंडारे का आयोजन हुआ जिसमे तकरीबन 22000 लोगो ने प्रसादी ग्रहण की आदरणीय की सबसे खूबी यह है की वह खुद अपने वारे में कुछ भी नहीं बताते ये उनके चाहने वाले है जो आदरणीय के बारे में समय समय पर चर्चा करते रहते है वास्तव में समाजसेवी ऐसा ही होना चाहिए जो निस्वार्थ भाव से लोगो की मदद करने के लिए सदैव तैयार रहता हो सामाजिक व्यक्तित्व के धनी अरुणेश भदौरिया के द्वारा जनशक्ति वेलफेयर सोसाइटी के माध्यम से गरीब असहाय लोगों को रोजगार कराते रहते हैं इसी कड़ी में उन्होंने कुछ दिन पूर्व सिविल हॉस्पिटल मुरार के बाहर एक व्यक्ति को चाय स्टोर खुलवा कर उसको रोजगार मुहैया कराया उनके कार्य को लेकर अन्य सामाजिक संगठन को को भी उनके द्वार उनसे यह सीख लेनी चाहिए कि वास्तविक में समाज सेवा करना गरीब असहाय लोगों को रोजगार मुहैया कराना है उनके द्वारा आगामी दिन 1/1/2023 रक्तदान शिविर का भी आयोजन किया जा रहा है जिससे किसी भी जरूरत व्यक्ति को समय पर रक्त मिल सके एवं उसकी जान बचाई जा सके क्योंकि कहते हैं नर सेवा ही नारायण सेवा है।

जो माता-पिता की पूछ परख से आगे बड़ता है उसकी सभी जगह प्रतिष्ठा होती हैं: पं. धीरेंद्र कृष्ण शास्त्री

राम कथा में बच्चें, बूड़े, महिलाएं, युवा वर्ग बड़कर हिस्सा ले रहा है, पांचवे दिन भी भरी रही पंडाल में अपार भीड़ गुरुजी के दर्शनार्थ नर्मदा पुरम से पैदल आईं 5 महिलाएं

पुष्पांजली टुडे

दमोह। शहर के होमगार्ड मैदान पर 24 दिसंबर से 9 दिवसीय श्रीराम कथा का आयोजन किया जा रहा है। इसी क्रम में पांचवें

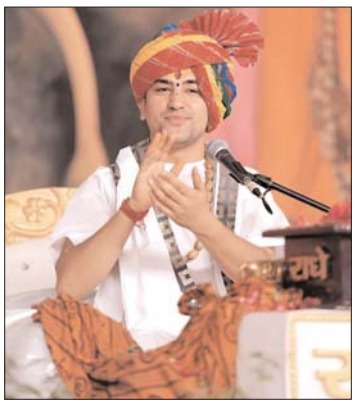

दिन बुधवार को बागेश्वर धाम पीठाधीश्वर परम पूज्य गुरुवर पंडित धीरेंद्र कृष्ण शास्त्री जी महाराज ने भगवान के गुरुकुल जाने की कथा सुनाई उन्होंने बताया कि किस तरह से मर्यादा पुरुषोत्तम भगवान श्री राम के दर्शन करने शिवजी और कागभुशुण्ड जी पहुंचते हैं और किस तरह से वह ज्योतिष बनकर अयोध्या में जाकर भगवान श्री राम के दर्शन करते हैं। इसके बाद उन्होंने गुरुकुल की कथा भक्तों को श्रवण कराई। उन्होंने बताया कि मर्यादा पुरुषोत्तम भगवान श्री राम सहित चारों भाई किस तरह से अपने माता-पिता का सम्मान करते थे। वर्तमान में देखने मिलता है कि लोग माता पिता को उतना सम्मान नहीं देते जितना मिलना चाहिए। उन्होंने समाज को संदेश देते हुए कहा कि जो व्यक्ति माता-पिता की दिल से पूंछ करता है, उसकी सभी जगह प्रतिष्ठा होती है। समाज में संसार में उसकी पूंछ बड़ जाती है। आजकल तब तक पूछ होती है जब तक श्रीमती जी घर नहीं आती। श्रीमती जी के घर आने के बाद कई ऐसे लोग हैं जो अपने माता पिता की पूछ परख बंद कर देते हैं,जो सर्वथा अनुचित है और उसे बाद में भुगतना पड़ता है।

मिल रहा सबका सहयोग

होमगार्ड मैदान पर चल रही श्रीराम कथा के संयोजक एवं समिति के सभी सदस्यों ने कहा कि श्री राम कथा में हर तरफ से चारों ओर से सहयोग मिल रहा है ना केवल शहर के लोग बल्कि ग्रामीण क्षेत्र की जनता भी बड़ी तादाद में पहुंचकर श्री राम कथा सुनकर पुण्य अर्जित कर रही है। शहर में भी कई जगह समाजसेवी संस्थाएं उनका साथ दे रही है और बाहर से आने वाले भक्तों का ख्याल रख रही है। हालांकि समिति के द्वारा अलग-अलग जगह भक्तों को सभी तरह की सुविधाएं उपलब्ध कराई जा रही है, लेकिन आम आदमी भी बाहर से आने वाले भक्तों का भरपूर ध्यान रख रहा है, जो अविस्मरणीय रहेगा। लोगों के सहयोग की जितनी तारीफ की जाए कम है।

घरों में काम करने नहीं जा रहे मजदूर

24 दिसंबर से 1 जनवरी तक चलने वाली श्री राम कथा के आयोजन को देखते हुए कई घरों में काम करने वाले लोग घरों में काम करने नहीं जा रहे हैं। बल्कि व कथा पंडाल स्थल पर पहुंचकर श्री राम कथा में कथा श्रवण कर पुण्य अर्जित कर रहे हैं। घरों में बर्तन धोने, कपड़े धोने व अन्य कार्यों के लिए जाने वाले कई मजदूर श्री राम कथा पंडाल में कथा प्रारंभ होने के 2 घंटे पहले ही पहुंच जाते हैं जिससे उन्हें बेहतर स्थान बैठने के लिए मिल सके और वह शाम तक चलने वाली श्री राम कथा के बाद ही वापस घर लौटते हैं।

लिया संकल्प छोड़ी लहसुन प्याज

नौ दिवसीय श्रीराम कथा के दौरान बागेश्वर धाम पीठाधीश्वर पंडित श्री धीरज कृष्ण शास्त्री जी महाराज ने बताया कि किसी भी शिष्य को लहसुन प्याज का सेवन नहीं करना चाहिए सुनने के बाद न केवल शिष्य, बल्कि श्री राम कथा सुनने पहुंचने वाले हजारों लाखों लोगों ने संकल्प लिया कि वह जीवन में कभी भी लहसुन प्याज का सेवन नहीं करेंगे।

नर्मदा पुरम से पैदल चलकर आई 5 महिलाएं

श्री बागेश्वर धाम पीठाधीश्वर पंडित श्री धीरज कृष्ण शास्त्री जी के दर्शन करने के लिए नर्मदा पुरम से 5 महिलाएं पैदल चलकर गुरुजी के दर्शनों के लिए दमोह पहुंची उन्होंने सैकड़ों किलोमीटर की पैदल यात्रा करने के बाद दमोह पहुंचकर कृष्णा हाइट में गुरु जी के दर्शन किए। जहां पर गुरु जी ने स्वयं अपने हाथों से उन्हें प्रसाद खिलाया और आशीर्वाद दिया। जिला नर्मदा पुरम होशंगाबाद ग्राम विजयवाड़ा तहसील पिपरिया निवासी विनीता कहार, पिया गुर्जर, मुन्नीबाई, देवकी व तिलक सिंह ने बताया कि सैकड़ो किलोमीटर की पैदल यात्रा करते हुए दमोह पहुंची। जहां पर कृष्णा हाइट में गुरु जी से मुलाकात की गुरु जी ने उन्हें आशीर्वाद दिया और अपने हाथों से प्रसाद खिलाया। गुरु जी ने अपने हाथों से प्रसाद खिलाते हुए उन्हें भरपूर आशीर्वाद दिया। रात में रुकने के बाद दूसरे दिन सभी महिलाएं श्रीबागेश्वर धाम के लिए पैदल रवाना हो हुईं।

दमोह पुलिस अधीक्षक को हटाने का फैसला स्वागत योग्य: मोंटी रैकवार

पुष्पांजली टुडे

दमोह। भाजपा के युवा नेता मोंटी रैकवार ने दमोह पुलिस अधीक्षक डीआर तेनीवार को दमोह से हटाने के फैसले का स्वागत करते हुए कहा है कि दमोह पुलिस अधीक्षक को हटाने के लिए 11 दिसंबर को दमोह के हेलीपैड पर मध्यप्रदेश के मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान, केंद्रीय मंत्री नरेंद्र सिंह तोमर, भाजपा प्रदेश अध्यक्ष बीड़ी शर्मा और दमोह भाजपा जिला अध्यक्ष प्रीतम सिंह लोधी के सामने एसपी हटाओ, दमोह बचाओ के नारेबाजी कर हटाने का आव्हान किया था और 23 दिसंबर को हिंदू संगठनों और सर्व हिन्दू समाज के द्वारा दमोह बंद हुआ था। देर शाम दमोह पुलिस अधीक्षक का स्थानांतरण दमोह से ग्वालियर बटालियन किया गया है। भाजपा नेता मोंटी रैकवार ने मध्य प्रदेश के मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान, केंद्रीय मंत्री नरेन्द्र सिंह तोमर, भाजपा प्रदेश अध्यक्ष बीड़ी शर्मा, भाजपा जिला अध्यक्ष प्रीतम सिंह लोधी सहित समस्त हिन्दू संगठनों व सहित सर्व हिन्दू समाज का एवं उन समस्त देवतुल्य कार्यकर्ताओं का आभार व्यक्त किया है।

सर्किट हाऊस गरियाबंद में छत्तीसगढ़

कांग्रेस कमेटी के सूचना का अधिकार पर की गई बैठक

गरियाबंद । सर्किट हाऊस गरियाबंद मे छत्तीसगढ़ कांग्रेस कमेटी के सूचना का अधिकार विभाग के प्रदेश अध्यक्ष श्री नितिन राजीव सिन्हा की अनुशंसा पर प्रदेश के महामंत्री छत्तीसगढ़ कांग्रेस कमेटी के सूचना का अधिकार विभाग निर्मल अवस्थी छत्तीसगढ़ कांग्रेस कमेटी के द्वारा गरियाबंद जिले में भी सूचना का अधिकार विभाग छत्तीसगढ़ कांग्रेस कमेटी की ओर से एक आवश्यक बैठक गरियाबंद सर्किट हाउस पहुंचे इस अवसर पर छत्तीसगढ़ राज्य कांग्रेस कमेटी सूचना का अधिकार विभाग के द्वारा गरियाबंद जिले में समिति के गठन पर विचार विमर्श हेतु एक आवश्यक बैठक गरियाबंद जिले के सर्किट हाउस में रखी गई इस अवसर पर गरियाबंद के पांचों ब्लाक गरियाबंद छुरा देवभोग फिंगेश्वर मैनपुर के उत्साहित और युवा कांग्रेस के पदाधिकारियों एवं सदस्यों से सलाह मशविरा कर विस्तार से जानकारी दी गई।प्रदेश महामंत्री निर्मल कुमार अवस्थी द्वारा गरियाबंद जिलाध्यक्ष रविन्द्र मरकाम गरियाबंद ब्लाक अध्यक्ष यशवंत कुमार यादव मैनपुर ब्लाक अध्यक्ष इंद्रलाल सोनवानी देवभोग ब्लाक अध्यक्ष बिदुर बघेल एवं जिला सदस्य तिहार सिह मरकाम सदाराम प्रधान की नियुक्ति की है। अवस्थी ने कार्यक्रम को संबोधित करते हुए कहा की हमारी कांग्रेस सरकार के मुख्यमंत्री श्री भूपेश बघेल जी ने गांव गरीब मजदूर किसान की सरकार है हर क्षेत्र मे सरकार अच्छा काम कर रही है । छत्तीसगढ़ की अस्मिता विधा परंपरा कला साहित्य और भाषा को आगे बढ़ाया है। धान खरीदी का उचित मूल्य सरल सहज व्यवस्था कर किसान भाईयों को सुविधा दे रही है। वन भूमि का पट्टा तेंदूपत्ता संग्राहकों को सुविधा एवं वन वासियों को वनोपज का एम एस पी मूल्य का निर्धारण कर आय में बढ़ोतरी की है। आत्मा नंद स्कूलों के माध्यम से निःशुल्क अंग्रेजी माध्यम से शिक्षा गांव में भी प्रारंभ किया गोबर व गोमूत्र की खरीद से छोटे तपके लोगों की आर्थिक स्थिति को बेहतर बनाने हेतु नीति बनाई है। हम सब को सरकार की जन कल्याणकारी योजनाओं का लाभ जन जन तक पहुंचाना कर्तव्य है और 2023 मे फिर से कांग्रेस की भूपेश बघेल को सरकार बनाने का पूरा भरोसा दिया और कहा कि आप सब कार्यकर्ताओं को पुनः मेहनत करनी है इस कारण गरियाबंद जिले में छत्तीसगढ़ कांग्रेस कमेटी सूचना का अधिकार विभाग का गठन कर हर क्षेत्र में हो रहे कार्यों की गुणवत्ता व मानकता पर ध्यान देना होगा और आम जनता की सेवा करना होगा इस अवसर पर संजय कुलदीप पार्षद वार्ड नं 08 नगर पालिका परिषद गरियाबंद देवा मरकाम युवा कांग्रेस बिद्रानवागढ विधानसभा सभा महासचिव एव वैद्य राज संघ जिला सचिव एव मंगधा यादव समाज जिला सहसचिव गरियाबंद यशवंत कुमार यादव की गरिमामयी उपस्थित रही ।कार्यक्रम मे प्रमुख रूप से चंदन नागेश रितेश नेताम सुमेर कपिल रुपेश नेताम अशोक नेताम तीजू राम नेताम तुषार राजा विकास विराज एव बड़ी संख्या स्थानीय युवाओं की उपस्थित रहे ।

ब्लॉक अध्यक्ष यशवंत कुमार यादव को नियुक्त पत्र देकर नियुक्त किया गया

सर्किट हाउस गरियाबंद में छत्तीसगढ़ कांग्रेस कमेटी के सूचना का अधिकार बैठक के पश्चात प्रदेश महामंत्री निर्मल कुमार अवस्थी द्वारा गरियाबंद ब्लाक अध्यक्ष यशवंत कुमार यादव को नियुक्त पत्र देकर नियुक्त किया गया। इस अवसर पर संजय कुलदीप पार्षद वार्ड नं 08 नगर पालिका परिषद गरियाबंद देवा मरकाम युवा कांग्रेस बिद्रानवागढ विधानसभा सभा महासचिव एव वैद्य राज संघ जिला सचिव एव मंगधा यादव समाज जिला सहसचिव गरियाबंद यशवंत कुमार यादव की गरिमामयी उपस्थित रही । जिससे सभी साथियो मे खुशी कि लहर युवा कांग्रेस जिला सचिव सुमंत नागेश युवा कांग्रेस जिला सह सचिव नेपाल सोरी युवा कांग्रेस ग्राम अध्यक्ष पंच मोहदा नुतन मरकाम आदिवासी बिद्रानवागढ विधान सभा अध्यक्ष हुमन नागेश युवा कांग्रेस ग्राम अध्यक्ष धवलपुर सोसल मिडिया जिला संयोजक गरियाबंद चुन्नु कुमार यादव युवा कांग्रेस ग्राम अध्यक्ष मरदाकला बलीराम नेताम युवा कांग्रेस ग्राम अध्यक्ष घटौद चंदन नागेश युवा कांग्रेस ग्राम अध्यक्ष ओड विष्णु यादव युवा कांग्रेस ग्राम अध्यक्ष आमामोरा भुवनेश्वर यादव राजीव गांधी युवा मितान क्लब अध्यक्ष घटौद रितेश नेताम उपाध्यक्ष सुमेर कपिल रुपेश नेताम अशोक नेताम बिसाहु सिन्हा विरेन्द्र यादव तीजू राम नेताम तुषार राजा विकास विराज टेकराम यादव भानुप्रताप सहिस साहिल खान दिनेश यादव किशन निर्मलकर संतोष सहिस सौरभ यादव लुकेश यादव छोटू विश्वकर्मा हितेश्वर यादव विरेन्द्र यादव छत्तर प्रधान विष्णु नेताम महेन्द्र यादव लिलेश यादव राज यादव बिमलेश यादव श्याम यादव इत्यादी लोगो बधाई देते हुए उज्ज्वल भविष्य कि कामना किए है।

गरीब का पक्का मकान बने करके भूपेश सरकार को फूटी आँख नहीं सुहा रहीः मुरलीधर सिन्हा

विगत दिनों भारतीय जनता पार्टी मण्डल गरियाबंद द्वारा छत्तीसगढ़ राज्य की भूपेश सरकार ने प्रधानमंत्री आवास योजना के राज्यांश राशि रोक दिए जाने से मोर आवास मोर अधिकार

कार्यक्रम हर ग्राम पंचायतों में जनजागारण करके हस्ताक्षर अभियान जा रहें हैं जिसके अंतर्गत ग्राम पंचायत पारागांव में भी आयोजन किया गया जिसमें मुख्य वक्ता भाजपा जिला गरियाबंद के वरिष्ठ नेता, पूर्व जिला महामंत्री मुरलीधर सिन्हा ने कहा कि वर्तमान राज्य की भूपेश बघेल के नेतृत्व कांग्रेस सरकार को गरीब का पक्का मकान बने करके फूटी आँख नहीं सुहा रही है । भाजपा नेता मुरलीधर सिन्हा ने ग्रामीणों को सम्बोधित करते हुए कहा कि पूरे छत्तीसगढ़ में 8 लाख प्रधानमंत्री आवास रोक दिया गया है जो अपूर्ण है, राज्य सरकार अपने राज्यांश की राशि 40 प्रतिशत नहीं दिए जाने के कारण गरीब हितग्राही अब मिलेगा तब मिलेगा करके बाट जोह रहे हैं, जिसे लेकर भाजपा पूरे छत्तीसगढ़ में हस्ताक्षर अभियान चला रहें हैं, हितग्राहियों से हस्ताक्षर लेकर आवेदन को भाजपा नेतृत्व छत्तीसगढ़ सरकार के मुखिया भूपेश बघेल जी को सौपेंगे और मांग करेंगे । राज्य सरकार को गरीब का पक्का मकान बने करके फूटी आँख नहीं सुहा रही है इसी तरह 16 लाख प्रधानमंत्री आवास मकान को राज्यांश की राशि देने में असमर्थता जताते हुए लौटा दी है। भाजपा नेताओं भूपेश बघेल की सरकार गरीब विरोधी सरकार बताया। भाजपा मंडल अध्यक्ष सुरेंद्र सोनटेके, भाजयुमो पूर्व जिलाध्यक्ष मुकेश दासवानी ने भी सम्बोधित किये। कार्यक्रम संचालन बूथ अध्यक्ष मोहन कुलदीप एवं आभार भाजपा मंडल महामंत्री धनजंय नेताम ने किया, इस अवसर में सांसद प्रतिनिधि प्रहलाद सिंह ठाकुर, भाजयुमो मंडल अध्यक्ष आनंद ठाकुर, भाजयुमो महामंत्री राज डे सहित बड़ी संख्या में ग्रामीण उपस्थित थे।

मारीच-रावण संवाद और सीताहरण देख दर्शकों की आंखें छलकीं

अम्बाह। अम्बाह क्षैत्र के बरिष्ठ कॉग्रेस नेता अध्यक्ष उमाचरण शर्मा दाऊ की गई व्यबस्था श्रीराम बाटिका में रामलीला के तीसरे दिन बुधवार को महात्मा लोचनदास कला मण्डल द्वारा रामलीला में मारीच और रावण के बीच संवाद, सीताहरण का मंचन किया गया। रामलीला में बहन शूर्पणखा के नाक काटने का बदला लेने के लिए लंकापति रावण ने माता सीता का हरण करने की योजना बनाई। इसके लिए उसने प्रभु राम और लक्ष्मण को सीताजी से दूर करने के लिए मायावी मामा मारीच से संवाद किया और पंचवटी में स्वर्ण का मृग बनकर विचरण करने को कहा। मारीच सोने का हिरण बनकर वन में प्रभु राम माता जानकी के सामने घूमने लगा। स्वर्ण मृग को देख सीताजी उसके खाल को लाने के लिए भगवान राम से हठ करने लगी। जिस पर प्रभु राम ने अनुज लक्ष्मण को सीताजी को छोड़ कर कही न जाने की हिदायत देकर उक्त मृग को मार खाल लाने के लिए चल पड़ते हैं। जहां काफी देर के बाद उन्होंने हिरण को अपनी बाणों से मार डाला। इस दौरान योजना के अनुसार, प्राण त्यागने से पूर्व मायावी मारीच ने हाय लक्ष्मण की आवाज लगाई। काफी देर होने से बेचैन मां सीता ने यह आवाज सुनी तो उन्होंने लक्ष्मण से कहा कि लगता है भैया राम पर कोई खतरा हो गया है और लक्ष्मण को बचाव में जाने के लिए जिद करने लगी। जिस पर लक्ष्मण ने माता जानकी के चारों तरफ लक्ष्मण रेखा खींचकर उससे बाहर नहीं आने को कहकर प्रभु राम की खोज में जंगल की ओर निकल पड़े। जानकी को अकेले देख रावण साधु का वेश धारण कर उनसे भिक्षा मांगने पहुंचता है और वहां लक्ष्मण रेखा को देख चालाकी वश माता से रेखा के बाहर आकर भिक्षा देने को कहता है। जैसे ही माता सीता रेखा के बाहर आकर भिक्षा देती हैं, रावण उनका हरण कर आकाश मार्ग से लंका जाने को निकल पड़ता है। इधर, जब हिरण की खाल लेकर भगवान राम भैया लक्ष्मण के साथ जब पंचवटी में आते हैं और सीताजी को गायब देखते हैं और विलाप करने लगते हैं। उनके विलाप को सभी दर्शकों की आंखें भी नम हो गई इसमे मेन भूमिका कलाकार राम भूमिका में भोलू शर्मा जौरा लक्ष्मण मोहित सिह पोरसा सीता शिबप्रताप पोरसा मारीछ मुनेश पाठक बंजरिया राबण राकेश सिह तोमर पालि जोगी राबण बलिराम उपाध्याय भकरौली सुन्दरी अमित परमार आगरा सबकी अहम भूमिका रही व देख रेख ब्यबस्था पातीराम उपाध्याय श्रीकृष्ण शर्मा नेताजी व पप्पू बरोलिया एवं समस्त श्रोतागणो की रही।

सम्पादकीय

सावधानी है जरूरी

देश भर के अस्पतालों और स्वास्थ्य केंद्रों में मंगलवार को मॉक ड्रिल के जरिए यह देखा गया कि हमारा स्वास्थ्य तंत्र कोरोना की संभावित चुनौतियों से निपटने के लिए किस हद तक तैयार है। पड़ोसी देश चीन से कोविड संक्रमण के कारण बने हालात की जो भयावह तस्वीरें आ रही हैं, उनके मद्देनजर अपनी तैयारियों का जायजा लेना जरूरी समझा गया। इस बीच कर्नाटक पहला राज्य है जहां सार्वजनिक स्थानों पर मास्क पहनना फिर से अनिवार्य कर दिया गया है। विशेषज्ञों के पैनल ने सरकार से कहा है कि स्वास्थ्यकर्मियों के लिए वैक्सीन की चौथी डोज की व्यवस्था की जानी चाहिए। वैक्सीन की उपलब्धता और नई दवाओं के परीक्षण की स्थितियों पर भी नए सिरे से नजर डाली जा रही है। इन सबके बीच यह स्पष्ट करते चलना भी जरूरी है कि कम से कम अपने देश में हालात फिलहाल चिंताजनक बिलकुल नहीं हैं। नए केसों की संख्या में पिछले सप्ताह के मुकाबले इस सप्ताह 11 फीसदी की बढ़ोतरी जरूर रेकॉर्ड की गई है, लेकिन फिर भी यह संख्या सबसे निचले स्तर के आसपास ही है। एक्सपर्ट्स यह भी दोहरा रहे हैं कि अपने देश में टीकाकरण मुहिम के व्यापक दायरे और नैचरल इम्यूनिटी की बेहतर स्थिति के कारण हालात बिगड़ने का डर वैसे भी कम है। अगर किसी वजह से संक्रमण तेज होता है तो भी अस्पताल में भर्ती होने की नौबत कम ही लोगों को आएगी। लेकिन चीन में भी कोरोना के मामले एक समय में पूरी तरह नियंत्रित दिख ही रहे थे। जापान, अमेरिका और साउथ कोरिया जैसे देशों में भी हालात काफी बेहतर होने के बाद बिगड़े हैं। कोरोना वायरस ने अपनी जो विशेषता बार-बार दिखाई है वह यह कि उसका कुछ भरोसा नहीं। वह कब किस रूप में और किन लक्षणों के साथ लौट आए, नहीं कहा जा सकता। और, एक बार इसने पैर पसार लिए तो सारी भविष्यवाणियों को बेकार कर सकता है। लेकिन अपने देश में आम लोगों की बात करें तो सब जैसे कोरोना को अतीत की चीज मान चुके हैं। बाजारों में भीड़भाड़ वाली जगहों पर भी शायद ही कोई मास्क लगाए नजर आता है, दूरी बनाए रखने की भी किसी को नहीं सूझती। स्वास्थ्य तंत्र भी रोजमर्रा की सामान्य चुनौतियों से निपटने में ही अपनी सार्थकता मान चुका है। ऐसे में क्रिसमस के बाद अब नए साल के जश्न का मौका आ रहा है। देशवासियों का फिलहाल जो मूड दिख रहा है, उसमें न्यू ईयर पार्टी करते हुए शायद ही कोई कोरोना के बारे में सोचे या किसी तरह की सावधानी बरतना जरूरी समझे।

नेपाल में नई सरकार, कैसे होंगे भारत के साथ रिश्ते

कम्युनिस्ट पार्टी ऑफ नेपाल (माओइस्ट सेंटर) के नेता पुष्प कमल दहाल उर्फ प्रचंड ने एक नाटकीय घटनाक्रम के तहत सोमवार को नेपाल के प्रधानमंत्री के रूप में शपथ ले ली। वह तीसरी बार नेपाल के प्रधानमंत्री बने हैं। प्रचंड पड़ोसी देश में राजशाही के खिलाफ दस वर्षों (1996 से 2006) तक चले भूमिगत मुक्ति युद्ध के सबसे बड़े नेता रहे हैं। पिछले महीने हुए चुनावों में किसी भी दल या गठबंधन को बहुमत न मिलने के कारण सरकार बनाने के सवाल को लेकर वहां कुछ समय से सस्पेंस बना हुआ था। प्रचंड की पार्टी सीपीएन (एमसी) ने नेपाली कांग्रेस के साथ गठबंधन में यह चुनाव लड़ा था, लेकिन दोनों दलों में इस बात पर विवाद था कि गठबंधन सरकार का नेतृत्व पहले कौन करेगा। जब यह विवाद आखिर तक हल नहीं हो सका तो राष्ट्रपति द्वारा दी गई समय सीमा (रविवार शाम पांच बजे) से कुछ घंटे पहले प्रचंड ने गठबंधन से बाहर निकलने की घोषणा कर दी। उसके बाद घटनाचक्र तेजी से घूमा और कम्युनिस्ट पार्टी ऑफ नेपाल (यूएमएल) के नेता केपी शर्मा ओली और अन्य छोटी पार्टियों के समर्थन की बदौलत उन्होंने सरकार बनाने का दावा पेश कर दिया। सहमति यह बनी है कि पांचवर्षीय कार्यकाल के पहले ढाई साल प्रचंड

पीएम रहेंगे और बाद के ढाई साल केपी शर्मा ओली। जहां तक भारत की बात है तो प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने प्रचंड को बधाई देते हुए कहा है कि भारत और नेपाल का अनूठा रिश्ता दोनों देशों के गहरे सांस्कृतिक जुड़ाव और दोनों ओर के लोगों के भावनात्मक लगाव पर टिका हुआ है। उन्होंने दोनों देशों के बीच दोस्ती के और मजबूत होने की उम्मीद भी जताई। लेकिन इन औपचारिक बयानों से आगे की सचाई यह है कि ओली और प्रचंड दोनों चीन के करीबी माने जाते रहे हैं। प्रधानमंत्री के रूप में ओली का पिछला कार्यकाल उनके चीनी पक्षधरता दर्शाने, भारत विरोधी भावनाएं भड़काने वाले फैसलों और बयानों के लिए चर्चित रहा था। हालांकि उस दौरान भी प्रचंड जैसे नेता काफी हद तक नीतियों को संतुलित करने पर जोर दे रहे थे। फिर यह बात भी है कि इस बार किसी एक पार्टी की सरकार नहीं है। अगर चुनावी नतीजों का संदेश देखा जाए तो उससे भी यह साफ है कि भारत विरोधी भावनाएं बहुमत तो दूर सबसे बड़ी पार्टी तक का दर्जा नहीं दिला पाईं। इसलिए कुछ प्रेक्षकों के मन में आशंकाएं भले हों, अभी से यह मान लेने की कोई जरूरत नहीं है कि नई सरकार पुरानी रीति-नीति पर ही चलेगी। मगर भारत और चीन के मौजूदा समीकरणों को देखते हुए इस मोर्चे पर किसी तरह की लापरवाही भी नहीं बरती जा सकती। ऐसे में, भारत को उदार, अच्छे पड़ोसी और करीबी मित्र की अपनी भूमिका जारी रखते हुए सावधान भी रहना होगा।

सहमति को मिले संरक्षण, पॉक्सो कानून में बदलाव का मसला

राज्यसभा में केंद्रीय महिला एवं बाल कल्याण मंत्री के जवाब से इतना तो स्पष्ट हुआ है कि सरकार न्यूनतम उम्र कम करने के विकल्प पर विचार नहीं कर रही, यह देखा जाना बाकी है कि कानून में उभरे अंतर्विरोध को दूर करने का कौन सा वैकल्पिक फॉर्म्युला उसके पास है। उम्मीद की जानी चाहिए कि सरकार जल्द से जल्द उसे सार्वजनिक करेगी ताकि उसके गुण-दोषों पर ठीक से विचार हो सके। केंद्रीय महिला एवं बाल कल्याण मंत्री ने राज्यसभा में बताया है कि सरकार सहमति से शारीरिक संबंध बनाने की न्यूनतम उम्र कम करने के किसी प्रस्ताव पर विचार नहीं कर रही। सरकार के इस रुख की अहमियत इस संदर्भ में है कि पिछले कुछ समय से सहमति से सेक्स के लिए न्यूनतम उम्र में बदलाव की जरूरत कई कोनों से रेखांकित की जा रही थी। हाल ही में देश के मुख्य न्यायाधीश जस्टिस डी वाई चंद्रचूड़ ने भी कहा था कि विधायिका को इस पहलू की ओर ध्यान देना चाहिए। इससे पहले एकाधिक हाईकोर्ट ध्यान दिला चुके हैं कि मौजूदा कानूनी प्रावधानों के चलते पॉक्सो यानी प्रोटेक्शन ऑफ चिल्ड्रेन फ्रॉम सेक्शुअल ऑफेंसेज ऐक्ट को उसके शब्दों और भावनाओं के अनुरूप लागू करने में दिक्कत हो रही है। हाल में हुए कई अध्ययनों से भी यह बात सामने आई है कि पॉक्सो के तहत जो मामले दर्ज कराए जा रहे हैं, उनमें से ज्यादातर रोमांटिक रिश्तों के होते हैं जिनके पीछे दोनों पक्षों की सहमति होती है। ऐसी ही एक रिपोर्ट में कहा गया कि ऐसे 'रोमांटिक रिश्तों' के 80 फीसदी से अधिक मामलों में शिकायत लड़की के माता-पिता या रिश्तेदारों की ओर से की गई थी और इनमें से करीब 88 फीसदी मामलों में जांच के दौरान लड़की ने स्पष्ट तौर पर स्वीकार किया कि संबंध सहमति से बनाए गए थे। कानून के जानकारों के मुताबिक, ऐसे मामलों में जजों के सामने दुविधा पैदा हो जाती है। चूंकि पॉक्सो कानूनों के तहत अत्यधिक सख्त सजा का प्रावधान है और इसमें 18 साल से कम उम्र के बच्चों की सहमति को रजामंदी नहीं माना जाता, इसलिए एक नजरिया कहता है कि सहमति की ओर ध्यान दिए बगैर अपराधी को कानून के मुताबिक सजा सुनाई जाए। दूसरी तरफ इस तथ्य को भी अनदेखा नहीं किया जा सकता कि पॉक्सो कानून का मकसद बच्चों को यौन उत्पीड़न से बचाना है, उनकी यौन इच्छाओं का अपराधीकरण करना नहीं। ऐसे में स्वाभाविक ही विधायिका से उम्मीद की जा रही है कि वह कानून के शाब्दिक प्रावधानों और उसके पीछे की भावनाओं में उभरते अंतर्विरोध पर विचार करके उसे मिटाने का कारगर उपाय करे। विभिन्न रिपोर्टों में यह बात कही जा चुकी है कि ऐसे ज्यादातर मामलों में लड़की की उम्र 16 से अधिक पाई गई है। यानी अगर न्यूनतम उम्र 18 साल से घटाकर 16 साल कर दी जाए तो सहमति के तहत बने ये रिश्ते अपराध नहीं रह जाएंगे।

राहुल गांधी को यात्रा से क्या मिला?

भारत जोड़ो यात्रा में शामिल भीड़ को क्या वोटों में बदला जा सकता है। यही सवाल स्पष्ट कर देता है कि इस यात्रा से उपजी और उपज रही संभावनाओं को ठोस नतीजों में तब्दील करने के लिए कांग्रेस को अभी कई स्तरों पर और अधिक कड़ी मेहनत करने की जरूरत है। राहुल गांधी की भारत जोड़ो यात्रा 108 दिनों में करीब 3000 किलोमीटर की दूरी नापते हुए शनिवार को दिल्ली पहुंची। यहां इस यात्रा का पहला चरण पूरा हुआ बताया गया। दूसरा चरण 3 जनवरी से शुरू होने वाला है। इन 108 दिनों में इस यात्रा ने राहुल गांधी को क्या दिया, देश और देशवासियों को लेकर उनकी समझ कितनी समृद्ध हुई, यह भी एक महत्वपूर्ण सवाल है, लेकिन इसका सही जवाब आने वाले दिनों में राहुल गांधी के फैसलों और उन फैसलों के असर के माध्यम से देश दुनिया के सामने खुलेगा। इस बीच, देश के अलग-अलग हिस्सों से गुजरती इस यात्रा ने देशवासियों पर, उनके मन मिजाज पर और, कांग्रेस तथा राहुल गांधी के प्रति उनकी धारणा पर कोई असर डाला है या नहीं अगर हां तो वह असर किस तरह का है।

क्या वह तात्कालिक है या उसके कुछ समय तक टिके रहने के भी आसार हैं ये सवाल भी कठिन और जटिल हैं लेकिन इनकी थोड़ी-बहुत पड़ताल की जा सकती है और जवाब के रूप में कुछ ऐसे ऑब्जर्वेशन भी दिए जा सकते हैं, जिन पर आगे बहस की जा सके या जिन्हें समय की कसौटी पर चढ़ाकर नतीजे का इंतजार किया जा सके। इस क्रम में पहली बात यह नोट की जा सकती है कि एक के बाद एक चुनावी हार से जूझती और परसेप्शन की लड़ाई में संघ-बीजेपी से शिकस्त

खाती कांग्रेस और इसके नेता राहुल गांधी पर यह आरोप लग रहा था कि वह अपने सामने मौजूद राजनीतिक चुनौतियों को लेकर गंभीर नहीं हैं। 100 दिनों से ज्यादा की इस यात्रा ने राहुल गांधी की उस छवि को निस्संदेह कमजोर किया है। इस दौरान देश के अलग-अलग हिस्सों से गुजरते हुए, लोगों की बातें सुनते हुए और उन्हें संबोधित करते हुए वह अलग-अलग तरीकों से यह बात दोहराते रहे हैं कि उनकी नजर में कैसे संघ-बीजेपी से भारतीयता को खतरा है। उनकी इस धारणा से सहमत हुआ जाए या नहीं, पर इतना जरूर है कि लोग अब उनकी बात को पहले से ज्यादा गंभीरता से सुन रहे हैं। अगर विपक्षी स्पेस की बात करें तो राहुल गांधी ने भारत जोड़ो यात्रा को चुनावी हार-जीत से अलग रखकर यह भी सुनिश्चित किया कि बीजेपी से परेशानी महसूस करती लेकिन कांग्रेस से दूर खड़ी आबादी भी उन तक पहुंचने में संकोच न करे। यह इस यात्रा का एक अतिरिक्त फायदा कहा जा सकता है। लेकिन एक राजनीतिक पार्टी के तौर पर कांग्रेस के सामने मौजूद चुनौतियों के संदर्भ में देखें तो इतना काफी नहीं है। सबसे बड़ा सवाल है कि क्या राहुल के हिस्से में आए लोगों के इस सद्भाव को वोट की शक्ल में बदला जा सकता है?

जिंदगी हारते लोग

तो उससे केवल उस व्यक्ति के मनोबल की कमजोरी जाहिर नहीं होती। वह एक समाज या समुदाय की बहुस्तरीय नाकामी का उदाहरण होता है। मुंबई का फिल्म और टीवी उद्योग पिछले कई सालों से इस समस्या से दो-चार है कि सिनेमा में हंसता-खेलता और सार्वजनिक जीवन में लोगों का पसंदीदा बन गया कलाकार किसी दिन अचानक खुदकुशी कर लेता है। कलाकार भी आखिर इंसान होते हैं और उनकी जिंदगी के तनाव और दबाव भी कई बार इस कदर जटिल हो सकते हैं, जिसमें आखिरकार वे हार जाएं। पर सवाल है कि साधारण लोगों की दुनिया के मुकाबले संगठित रूप से काम करने वाले फिल्म या टीवी धारावाहिकों के उद्योग ने इतने सालों के सफर के बावजूद ऐसा तंत्र विकसित क्यों नहीं किया है, जिसमें बेहद मुश्किल हालात का सामना करता कोई कलाकार अपने लिए जिंदगी की उम्मीद देख पाएड़ यह मसला एक बार फिर चिंता का केंद्र इसलिए बना है कि पिछले हफ्ते टीवी धारावाहिकों की एक अभिनेत्री काम की जगह पर ही फंदे से लटकी मिली। सिर्फ इक्कीस साल की उम्र में उसकी इस तरह मौत किसी भी संवेदनशील व्यक्ति को परेशान करने वाली है। इतनी कम आयु में ही उसने धारावाहिक और मनोरंजन जगत में अच्छी पहचान बना ली थी। अभी उसके सामने लंबी जिंदगी, मौके और खुला आसमान था, जहां वह भविष्य की ऊंची उड़ान भर सकती थी। मगर आखिर क्या ऐसा हुआ, जिसका हल उसे अपनी जान देने में ही नजर आया! सामान्य नजरिए से देखें तो यही कहा जा सकता है कि आत्महत्या की दूसरी घटनाओं में जिस तरह व्यक्ति हार कर ऐसा कदम उठाता है, वैसी ही कोई परिस्थिति पैदा हुई होगी। पर वे कौन-सी और कैसी असामान्य परिस्थितियां सामने आईं कि अभिनेत्री ने उनसे बचने या टकराने के बजाय जिंदगी की हार का रास्ता चुना। पिछले कुछ सालों में सुशांत सिंह राजपूत, वैशाली ठक्कर, आसिफ बसरा और कुशल पंजाबी से लेकर परीक्षा मेहता जैसे अनेक कलाकारों ने कम समय में ही बालीवुड या टेलीविजन में अभिनय की दुनिया में अपनी अच्छी पहचान बनाई थी, लेकिन अचानक उनके आत्महत्या कर लेने की खबरें आईं।

शराबबंदी से क्या मिला

> शराब को गलत और अनैतिक चीज मानते हुए ही कोई राज्य सरकार इसे निषिद्ध घोषित करती है। मकसद यह भी होता है कि इससे महिला वोटरों को अपने पाले में लाया जाए। इसके साथ सरकारें अपराध और सड़क हादसों में कमी, स्वास्थ्य के लिहाज से सही और घरेलू हिंसा पर लगाम लगाने जैसे तर्क भी इसके पक्ष में देती हैं।

जब शराब को गलत और अनैतिक चीज मानते हुए कोई राज्य सरकार इसे निषिद्ध घोषित करती है, तब इसके पीछे एक मकसद महिला वोटरों को अपने पाले में लाना भी होता है। इसके लिए राज. सरकारें अपराध और सड़क हादसों में कमी, स्वास्थ्य के लिहाज से सही और घरेलू हिंसा पर लगाम लगाने जैसे तर्क भी इसके पक्ष में देती हैं। बिहार में नकली शराब पीने से हुई मौतों को लेकर विधानसभा में विरोध प्रदर्शन कर रहे विपक्षी विधायकों पर भड़क उठने वाले मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने गुरुवार को मृतकों के परिजनों को किसी तरह का मुआवजा देने से इनकार कर दिया। हालांकि गुरुवार को वह गुस्से में नहीं दिखे, लेकिन उन्होंने कहा, जो शराब पिएगा वह तो मरेगा ही। देखना दिलचस्प है कि मुख्यमंत्री नीतीश कुमार की प्रतिक्रिया उसी विचार पद्धति की सहज अभिव्यक्ति है, जिससे शराबबंदी का तर्क निकलता है। शराब को गलत और अनैतिक चीज मानते हुए ही कोई राज्य सरकार इसे निषिद्ध घोषित करती है। मकसद यह भी होता है कि इससे महिला वोटरों को अपने पाले में लाया जाए। इसके साथ सरकारें अपराध और सड़क हादसों में कमी, स्वास्थ्य के लिहाज से सही और घरेलू हिंसा पर लगाम लगाने जैसे तर्क भी इसके पक्ष

में देती हैं। लेकिन नैतिकता की दुहाई हो या कोई और तर्क दिया जाए, सच यही है कि शराबबंदी की वजह से लोग शराब पीना बंद नहीं कर देते। इसीलिए देश में ज्यादातर राज्यों में शराबबंदी नहीं है। आज की तारीख में बड़े राज्यों में सिर्फ गुजरात और बिहार में ही शराबबंदी लागू है। गुजरात में लंबे समय से शराबबंदी है, लेकिन बिहार ने 2016 में इसे लागू किया। इसके दुष्परिणाम वहां कई स्तरों पर देखे जा रहे हैं। अवैध शराब की बड़े पैमाने पर बिक्री की शिकायतें तो हैं ही, इसके आदी हो चुके लोगों की गिरफ्तारी के मामले भी बढ़ गए हैं। पहले से ही लंबित मामलों के बोझ से दबी न्यायपालिका के लिए शराबबंदी उल्लंघन के ये मामले नया सिरदर्द साबित हो रहे हैं। सुप्रीम कोर्ट तक इस ओर ध्यान दिला चुका है। इस संदर्भ में यह बात भी गौर करने लायक है कि तमिलनाडु, केरल और हरियाणा जैसे राज्यों ने शराबबंदी लागू करने के कुछ समय बाद इसे वापस ले लिया था और उसकी जायज वजह उनके पास थी। पहली तो यह कि शराबबंदी का बहुत असर नहीं होता। लोग शराब न मिलने पर दूसरे नशे करने लगते हैं। आसपास के राज्यों से शराब की स्मगलिंग बढ़ती है और अवैध शराब का धंधा फलने-फूलने लगता है। दूसरे, इससे उनकी वित्तीय स्थिति पर बुरा असर पड़ता है। शराब पर जो टैक्स राज्य लगाते हैं, उसका उनकी कुल आमदनी में अच्छा-खासा हिस्सा होता है। शराब की बिक्री पर प्रतिबंध लगाए जाने से यह आमदनी पड़ोसी राज्यों को चली जाती है। वहीं, इस आमदनी के हाथ से निकलने से शराबबंदी लागू करने वाले राज्य को मजबूरन दूसरे मदों पर खर्च घटाना पड़ता है। इससे खासतौर पर टूरिज्म सेक्टर पर बड़ी चोट पड़ती है और निवेशक भी बिदकते हैं। अच्छा हो कि शराबबंदी के बजाय राज्य शराब से जुड़े अपराधों को नियंत्रित करने के लिए सख्त कानून और उन पर अमल सुनिश्चित करें।

मैं जमीनी कार्यकर्ता हूं कोई हाईप्रोफाइल नेता नहीं, मैं पूरा समय गांव में ही देता हूं: विधायक मेवाराम जाटव

गोहद। कांग्रेस पार्टी के हाथ से हाथ जोड़ो कार्यकारिणी कार्य योजना की तैयारी को लेकर तीनों ब्लॉकों में मालनपुर गोहद मौ मैं बैठक संपन्न। गोहद में विधायक बंगला पर खचाखच भरे हुए ग्राउंड में बैठक को संबोधित करते हुए स्थानीय विधायक मेवाराम जाटव ने कहा कि मैं जमीनी

कांग्रेस पार्टी के स्थापना दिवस पर हाथ से हाथ जोड़ो कार्यकारिणी कार्य योजना कार्यक्रम की तैयारी को लेकर ब्लॉक कांग्रेस कमेटी की बैठक संपन्न

कार्यकर्ता हूं कोई हाई प्रोफाइल नेता नहीं 1994 में मैं सरपंच बना था तब से राजनीति में हूं मुझे गोहद क्षेत्र की सारी समस्याओं की जानकारी है मैं भोपाल तभी जाता हूं जब भोपाल में कोई मीटिंग होती है और उसी दिन वापस आ जाता हूं मैं क्षेत्र के प्रत्येक गांव में तीन- तीन, चार-चार बार जा चुका हूं उन्होंने कहा कि आज मुझे 2 वर्ष 1 महीना विधायक बने हुए हुआ है, ऐसा कोई गांव बता दे कि जिस गांव में, मैं तीन-तीन, चार-चार बार नहीं गया हूं। मैं दिसंबर 2020 में विधायक बन गया था तब से आज तक मैं हर गांव में तीन से चार बार स्वयं होके आया हूं। गांवों की समस्याओं को नजदीकी से देखा है और मैं अपने स्तर से समस्याओं का निदान करने का प्रयास करता हूं फिर भी मैं विपक्ष का विधायक होने के नाते जितना काम करना चाहता हूं उतना नहीं कर पा रहा हूं उन्होंने कहा कि 2023 में कांग्रेस की सरकार बनेगी तो गोहद मैं भी कांग्रेस का विधायक बनेगा तो निश्चित ही हम सभी समस्याओं को दूर कर सकेंगे। उन्होंने कहा कि मैं कभी भी दिल्ली भोपाल में नहीं रहता, क्षेत्र के गांवों में ही रहता हूं लोग कहते हैं कि यहां क्यों नहीं रहते तो मैं उनसे कहना चाहूंगा कि गांव में भी तो क्षेत्र के लोग रहते हैं उनकी समस्याओं को भी तो देखना है। उन्होंने भाजपा सरकार पर हमला बोलते हुए कहा कि सरकार सम्मान निधि के नाम पर ढिंढोरा पीट रही है जबकि हकीकत यह है कि किसान भाइयों के नाम खसरा खतौनी कंप्यूटर में दर्ज नहीं हैं। इस पर मैंने विधानसभा में भी प्रश्न पूछा था तो इस बात को मुख्यमंत्री ने भी माना है।

उन्होंने अनुसूचित जाति के लिए दिग्विजय सिंह सरकार में बांटे गए पट्टों पर बोलते हुए कहा कि कांग्रेस की दिग्विजय सिंह सरकार में अनुसूचित जाति के लिए दिए गए पट्टे आज तक कंप्यूटर में दर्ज नहीं हो पाए हैं उन्हें खाद, बीज, लोन आदि सुविधाएं कैसे मिलेंगे। उन्होंने क्षेत्र में खुलने वाले सौ विस्तरीय सिविल अस्पताल पर बोलते हुए कहा कि गोहद में 100 विस्तरीय सिविल अस्पताल बनना था परंतु अभी तक उसका कार्य शुरू नहीं हुआ। इसी प्रकार 119 करोड़ की नगर में पेयजल योजना शुरू होनी थी जब मैं विधायक बना तो मैंने जानकारी ली तो पता लगा कि यह योजना है ही नहीं, फिर मैंने प्रयास किया तब योजना बनी ओर उस पर कार्य शुरू हुआ है। उन्होंने गांव की खारे पानी की समस्या पर बोलते हुए कहा कि हमारे क्षेत्र में अधिकांश गांवों में खारे पानी की समस्या है और क्षेत्र में 400 गांव हैं यदि मैं अपनी विधायक निधि से एक-एक लाख रुपए देना चाहूं तो इसके लिए 4 करोड़ रुपए चाहिए जब कि मेरी विधायक निधि मात्र एक करोड़ 85 लाख रुपए है। कार्यक्रम को पूर्व लोकसभा प्रत्याशी देवाशीष जरारिया संबोधित करते हुए कहा कि हमारे राष्ट्रीय नेता राहुल गांधी जी के द्वारा जो भारत जोड़ो यात्रा कन्याकुमारी से लेकर कश्मीर तक निकाली जा रही है उस यात्रा में जो मोमेंटम मिला है उस मोमेंटम को हम आगे कैसे ले जाएं, उस मोमेंटम को सजने का उसको वोटों में कैसे तब्दील कर सकते हैं 2023 के विधानसभा चुनाव 2024 के लोकसभा चुनाव में इस यात्रा का कैसे फायदा मिलेगा इस पर गहन मंथन हुआ तब जाकर हमारे नेताओं ने यह तय किया कि राहुल गांधी जी की भारत जोड़ो यात्रा का लाभ तभी मिल सकता है जब आगे कार्यक्रम की रूपरेखा बनाई जाए और इसके लिए हमारे नेताओं ने तय किया कि भारत जोड़ो यात्रा 26 जनवरी को समाप्त हो रही है इसके बाद कांग्रेस पार्टी का हाथ से हाथ जोड़ो कार्यक्रम शुरू होगा इसी की तैयारियों को लेकर कांग्रेस के स्थापना दिवस पर यह मीटिंग बुलाई गई है। कार्यक्रम की अध्यक्षता कांग्रेस पार्टी के जिला अध्यक्ष मानसिंह कुशवाह ने की कार्यक्रम का संचालन कैलाश माहोर ने किया। कार्यक्रम को संबोधित पूर्व जिला पंचायत अध्यक्ष रामनारायण हिंडोलिया, कांग्रेस पार्टी के युवा जिला अध्यक्ष राजकुमार देशलेहरा, जिला पंचायत सदस्य केशव देसाई, पूर्व युवा जिला अध्यक्ष कुलदीप सिंह गुर्जर, नगर पालिका अध्यक्ष मंजू जगदीश, ब्लॉक अध्यक्ष आशीष गुर्जर, केदार कौशल, हसीन खान भारैया, एडवोकेट रघुनाथ त्रिवेदीया, तहसील शाह, विजय उर्फ टोनी मुदगल, कल्लू राजावत भारौली, पिंकी उच्चडिया, बीपी गुर्जर सहित आधा सैकड़ा लोगों ने संबोधित किया इस अवसर पर नगरपालिका उपाध्यक्ष सुनील उर्फ सिक्की काकर, पार्षद बृजेंद्र यादव, पार्षद जरीना साबू खान, पार्षद रजिया अकरम चौधरी, पार्षद राजा बेटी बल्लू शैमर, प्रमोद शुक्ला, अवध किशोर उर्फ बंटी गुर्जर, बालकिशन माहोर विजय निगम, देवेंद्र पाठक, रागिनी चौहान, देवी सिंह तोमर, गणेश राम शर्मा, गुट्टी शर्मा, बबलू बरैया, नसीर खान उर्फ बल्लू, फजल पठान, नरेश सिंह तोमर सहित पार्टी के पदाधिकारी एवं मंडलम सेक्टर के लगभग पांच सौ से अधिक कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

कोविड-19 मॉकड्रिल

कोरोना से निपटने के लिये तैयारियों को परखा गया

पुष्पांजली टुडे

दमोह। शासन के निर्देशानुसार कोरोना की नये वैरिएण्ट के खतरे से निपटने, तैयारियों के संबंध में जिला चिकित्सालय में मॉकड्रिल की गई। इस दौरान सिविल सर्जन डॉ. राजेश नामदेव, शिशु रोग विशेषज्ञ डॉ. जलज बजाज, पैथालाजिस्ट डॉ. अमित प्रकाश जैन विशेष रूप से मौजूद रहे। डॉ. नामदेव ने बताया कि किसी भी आपात स्थिति में कोविड-19 संक्रमण से प्रभावी रूप से निपटने के लिए उपलब्ध स्वास्थ्य सुविधाओं, कोविड-19 उपचार प्रोटोकॉल संबंधी जरूरी लॉजिस्टिक, टेस्टिंग किट, ऑक्सीजन एवं वेंटिलेटर बैड की उपलब्धता एवं कोविड-19 संदेहास्पद मरीज के अस्पताल में आने पर कोविड-19 अनुकूल व्यवहारों जरूरी तैयारियों, प्राथमिक जांच एवं प्रोटोकॉल के तहत कोविड-19 उपचार के संबंध में अभ्यास (मॉकड्रिल) कर तैयारियों को परखा गया। मॉकड्रिल दौरान डॉ. सुधीर आर्य, ई.एन.टी. विशेषज्ञ, डॉ. राजीव अग्रवाल, मेडिकल ऑफीसर, नर्सिंग ऑफीसर सुषमा, ऐश्वर्या, वार्ड वाय सहित अन्य सहयोगी कर्मचारी मौजूद रहे।

डॉ. नामदेव ने बताया कि वर्तमान में आईसोलेशन बैड की संख्या 20 है जिसे आवश्यकता अनुसार बढ़ाकर 70 किया जायेगा। प्लांट से लेकर वार्ड में लगे बैड तक मेडिकल ऑक्सीजन युक्त बैड की संख्या 270 है। 14 बिस्तरीय आई.सी.यू. इकाई में 12 वेण्टिलेटर युक्त है। आपात स्थिति में कोविड-19 मरीज के परिवहन के लिए 04 एम्बुलेंस उपलब्ध है। जिसमें से ए.एल.एस., बी.एल.एस. सपोर्ट एम्बूलेंस वाहन की संख्या क्रमशः एक-एक है जबकि पी.पी.पी. मोड़ में सपोर्टेड एम्बुलेंस की संख्या 02 है। कोविड-19 टेस्टिंग के लिए आर.टी.पी.सी.आर. किट एवं रीजेण्ट्स की आवश्यकता है। त्वरित रूप से कोविड जांच के लिए उपयोगी आर.ए.टी. किट 50 उपलब्ध है। जबकि 7000 एन-95 मॉस्क एवं पी.पी.ई किट 2100 उपलब्ध है।

कोविड-19 उपचार प्रोटोकॉल के तहत पर्याप्त औषधियों का भण्डारण है। कोविड-19 संक्रमित मरीज की निगरानी रखने में उपयोगी उपकरण पल्स ऑक्सीमीटर-22, ऑक्सीजन कंसन्ट्रेटर-63, ऑक्सीजन सिलेण्डर-180, क्रियाशील पी.एस.ए. प्लांट विथ मेडिकल गैस पाईपलाईन-01 उपलब्ध है। परामर्श/उपचार में उपयोगी टेलीमेडिसिन फैसलिटी भी उपलब्ध है।

पूर्व उप मुख्य सचेतक राठौड़ ने भाजपा के वरिष्ठ कार्यकर्ताओं से की मुलाकात

पुष्पांजलि टुडे। पाली राजस्थान

पाली । पूर्व उप मुख्य सचेतक मदन राठौड़ ने सुमेरपुर विधानसभा क्षेत्र के ग्रामीण क्षेत्रों का दौरा कर भारतीय जनता पार्टी के वरिष्ठ पदाधिकारी कार्यकर्ताओं से मुलाकात कर विभिन्न बिंदुओं पर चर्चा की।आगामी विधानसभा चुनाव को देखते हुए पूर्व मुख्य सचेतक एवं सुमेरपुर विधानसभा क्षेत्र के पूर्व विधायक मदन राठौड़ लगातार ग्रामीण क्षेत्रों का दौरा कर भारतीय जनता पार्टी को मजबूती प्रदान करने के लिए बूथ स्तर पर पदाधिकारियों से लगाकर कार्यकर्ताओं से मुलाकात कर विधानसभा चुनाव में भाजपा को प्रचंड बहुमत से विजय प्राप्त करने को लेकर दिन रात प्रयास किया जा रहा है। राठौड़ ने बताया कि वर्तमान प्रदेश सरकार हर क्षेत्र नाकाम साबित हो रही है जिसमें प्रतिदिन कई गंभीर मामले सामने आ रहे हैं। वर्तमान प्रदेश सरकार युवाओं का भविष्य खराब करने की सोच के साथ आगे बढ़ रही हैं। वर्तमान प्रदेश सरकार का अंत होने जा रहा है। राठौड़ ने कहा कि भारतीय जनता पार्टी आगामी विधानसभा चुनाव में प्रचंड बहुमत से जीत हासिल करेगी।

भव्यता के साथ मनाया कांग्रेस का 138 वाँ स्थापना दिवस

सीहोर। जिला मुख्यालय स्थित कांग्रेस कमेटी कार्यालय पर जिला कांग्रेस अध्यक्ष डॉ.बलवीर तोमर के मुख्य आतिथ्य में कांग्रेस का 138 वाँ स्थाना दिवस भव्यता के साथ मनाया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ राष्ट्र पिता महात्मा गांधी एवं पूर्व प्रधानमंत्री पं.जवाहरलाल नेहरू सहित सभी महापुरुषों के चित्रों पर पुष्प माला अर्पित कर किया गया। कार्यक्रम को वरिष्ठ कांग्रेस वक्ताओं ने सम्बोधित कर कार्यकर्ताओं को कांग्रेस पार्टी के इतिहास एवं कांग्रेस पार्टी की रीति नीति व विचारधारा के बारे में अवगत कराया।

इस मौके पर जिलाध्यक्ष डॉ. बलवीर तोमर ने कहा कि हम गौरवान्वित है कि हम इस पार्टी के सदस्य हैं, जिस पार्टी ने देश को आजादी दिलाई और देश का नव निर्माण किया। हमें कांग्रेस पार्टी को समावेशी बनाने के लिए युवाओं, महिलाओं, वंचित तबकों और बुद्धिजीवियों को हमारे साथ जोडना होगा। राहुल गांधी की भारत जोड़ो यात्रा से देशभर में करोड़ों कार्यकर्ताओं को संजीवनी मिली है। कांग्रेस ने 70 सालों से सभी धर्म वर्ग जाति के नागरिकों को एकता के साथ जोड़े रखा था, जिसको वर्तमान सरकार ने अपनी कुर्सी के मौह में मात्र 8 वर्ष में ही देश की जनता को जातिवाद फैलाकर आपसी मनमौटाव व नफरत का माहौल पैदा कर दिया है। लोगों को आपस में ही उल्झाकर बैरोजगारी, महंगाई के साथ ही भूख भय भ्रष्टाचार फैलाकर अपनी जैब भर रहे हैं। वहीं कांग्रेस पार्टी का हमेशा उद्देश्य रहा है कि लोकतांत्रिक राष्ट्रवादी आंदोलन चलाना। भारतीयों को राजनीतिक लक्ष्यों से परिचित कराना तथा राजनीतिक शिक्षा देना। देश के विभिन्न भागों के राजनीतिक नेताओं तथा कार्यकर्ताओं के मध्य मैत्रीपूर्ण संबंधों की स्थापना को प्रोत्साहित करना। उपनिवेशवादी विरोधी विचारधारा को प्रोत्साहन एवं समर्थन करना। एक सामान्य आर्थिक एक राजनीतिक कार्यक्रम हेतु देशवासियों को एकमत करना। लोगों को जाति, धर्म एवं प्रांतीयता की भावना से उठाकर उनमें एक राष्ट्रव्यापी अनुभव को जागृत करना। भारतीय राष्ट्रवादी भावना को प्रोत्साहन एवं उसका प्रसार करते हुए देश के गरीब से गरीब नागरिकों की मूलभूत आवश्यकताओं को पूर्ण करना। कार्यक्रम में वरिष्ठ कांग्रेसजनों एवं कांग्रेस में सक्रीय कार्यकर्ताओं का पुष्पमाला एवं गमछा पहना कर सम्मान किया गया। इस अवसर पर प्रीतम दयाल चौरसिया, बाबूलाल परमार, राजाराम बड़े भाई, सुनील दुबे, सीताराम भारती, पवन राठौर, महेन्द्र सिंह उमठ ढाबला, राजेश भूरा यादव, राजेन्द्र वर्मा, जयंत शाह, विजय उपाध्याय, विवेक राठौर, राकेश वार्मा, राजीव गुजराती, मनव्वर मामू, के.के. रिछारिया, भगत सिंह तोमर, तुलसी राजकुमार राठौर, धीरेन्द्र सिंह ठाकुर, रेहान नवाब, पंकज शर्मा, अजय रायकवार, श्याम सोनकर, हनीफ कुरेशी, नितिन उपाध्याय, असरफ अली, खुदित अहमद, सुमित नर्रे, माखन सिंह सोलंकी, कमलेश चाण्डक, यश यादव, प्रिंस यादव, अमन यादव, ओम सोनी सहित बड़ी संख्या में कांग्रेसजन उपस्थित रहे।

सीरवी विकास परगना रानी प्रथम कैरियर सेमिनार एवं छात्र संवाद कार्यक्रम आयोजित

पुष्पांजलि टुडे संवाददाता पाली राजस्थान

रानी पाली। निकटवर्ती रानी जती मोती बाबा स्कूल मोकमपुरा रोड पर सिरवी विकास परगना रानी में प्रथम कैरियर सेमिनार एवं छात्र संवाद कार्यक्रम आयोजित किया जा रहा है। इस सेमिनार कार्यक्रम में 10,11,12 व कॉलेज के विद्यार्थियों एवं प्रतियोगिता परीक्षा की तैयारी करने वाले बालक बालिकाओं को अधिकारीगण एक्सपर्ट द्वारा मार्गदर्शन दिया जाएगा । कार्यक्रम में मुख्य वक्ता एवं अतिथि गण राजस्थान न्यायिक सेवा आरजेएस प्रवीण सोलंकी। आई आर एस भारतीय राजस्व सेवा विनोद सीरवी उपखंड अधिकारी निंबाहेड़ा चित्तौड़गढ़ रमेश कुमार सीरवी प्रोफेसर राजकीय माह. वि. बाली उमेद कुमार सीरवी नीट सिलेक्टेड 2023 डॉ गंगा पुत्री जीवाराम सीरवी कार्यक्रम में वार्ताकार। जगदीश चौधरी प्रदीप कुमार सिरवी प्रभु राम सीरवी भूरा राम सिरवी घिसा राम सीरवी द्वारा समाज के बालक बालिकाओं को मार्गदर्शन देंगे। सिरवी विकास परगना रानी में प्रथम कैरियर सेमिनार एवं छात्र संवाद कार्यक्रम दो चरण में आयोजित किया जाएगा । प्रथम चरण में रजिस्ट्रेशन एवं सरस्वती वंदना एवं मां आई जी की वंदना के बाद कैरियर संबंधित जानकारी दी जाएगी। दूसरे चरण में शिक्षा संगठन एवं संस्कार के बारे में मार्गदर्शन दिया जाएगा। प्रभु राम व्याख्याता ने बताया कि समाज के इस मुख्य सेमिनार कार्यक्रम में समाज के बालक बालिकाओं को शिक्षा के साथ-साथ संस्कार के प्रति एवं समाज को समय के साथ साथ नई दिशा में प्रवेश करने के लिए उत्साहित कर मार्गदर्शन दिया जाएगा जिसने समाज के बड़े स्तर के प्रशासनिक अधिकारी शिक्षा के प्रति समाज को बढ़ावा देने के लिए बालक बालिकाओं को उत्साहित करेंगे।

कांग्रेस ने मुरवास में मनाया भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस का 138 वां स्थापना दिवस

पुष्पांजलि टुडे रिपोर्टर
अभिषेक कुशवाह

सिरोंज /लटेरी। बुधवार को ब्लाक कांग्रेस कमेटी के नेतृत्व में ब्लाक कांग्रेस कार्यालय मुरबास पर स्थापना दिवस कार्यक्रम आयोजित किया गया जिसमें सर्व प्रथम राष्ट्रपिता महात्मा गांधी की तस्वीर पर माल्यार्पण किया गया ब्लाक कांग्रेस अध्यक्ष मनफूल सिंह कुशवाह ने अपने विचार व्यक्त करते हुए कहा कि हमे अपनी पार्टी प्रति निष्ठा और समर्पण भाव से कार्य करना है तथा पार्टी की रीति नीति को आगे बढ़ाना है गांव गांव जाकर लोगों को कांग्रेस पार्टी की विचारधारा से जोड़ने का काम करना है कांग्रेस पार्टी द्वारा चलाए जा रहे आगामी कार्यक्रम हाथ से हाथ जोड़ो को आमजन तक पहुंचाना है युवा कांग्रेस नेता असगर खान ने कहा कि हमे गर्व होना चाहिए कि हम उस पार्टी के कार्यकर्ता हैं जिसने देश की आजादी से लेकर आधुनिक भारत के निर्माण में अपना योगदान दिया है देश के लिए अपने नेताओं को खोया है। बरिष्ठ नेता दुरग सिंह धाकड़ ने कहा कि सभी कार्यकर्ताओं को एक जुट होकर काम करना होगा तभी हमारी सरकार बनेगी। कार्यक्रम में किसान कांग्रेस ब्लाक अध्यक्ष गोरेलाल धाकड़ वीरेंद्र सिंह बघेल धनपाल जादौन इल्यास खान महेश मालवीय खालिद खान अरविंद राशिद खान सहित समस्त कांग्रेस जन उपस्थित रहे।

विद्युत समस्याओं का निराकरण पांच दिवस में नहीं हुआ तो तालाबंदी कर धरना दिया जाएगा

ब्लॉक कांग्रेस कमेटी ने विद्युत विभाग के खिलाफ एसडीएम को सौंपा ज्ञापन

गोहद। ग्रामीण एवं नगरीय क्षेत्र में हो रही विद्युत कटौती एवं डीपी खराब होने व डीपी ना होने की समस्याओं को लेकर ब्लॉक कांग्रेस कमेटी गोहद के द्वारा गोहद एसडीएम के नाम एसडीएम की अनुपस्थिति में एसडीएम स्टेनो अरविंद शर्मा व रीडर मनोज शर्मा को ब्लॉक कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष आशीष गुर्जर के नेतृत्व में एक ज्ञापन सौंपा गया है। ज्ञापन के माध्यम से अवगत कराया गया है कि ग्रामीण एवं नगरीय क्षेत्र में आए दिन अघोषित विद्युत कटौती हो रही है नगर व गांवों में कई स्थानों पर विद्युत सप्लाई बंद पड़ी हुई है ट्रांसफार्मर फुके हुए हैं ट्रांसफार्मर रखने के एवज में विद्युत विभाग अवैध वसूली कर रहा है। ज्ञापन में बताया गया कि आमजनों को मनमाने विल थमाये जा रहे है। ब्लॉक कांग्रेस कमेटी के द्वारा ज्ञापन में अंकित किया गया है कि उक्त समस्याओं का तत्काल निराकरण कराया जाना 5 दिवस में सुनिश्चित नहीं किया गया तो कांग्रेस पार्टी के द्वारा विद्युत विभाग की तालाबंदी कर अनिश्चितकालीन धरना दिया।

गिरवी व्यापारियों ने स्वामी तेजानन्द महाराज का किया भव्य स्वागत

पुष्पाजंली टुडे

बेंगलुरू। नागरभावी मेन रोड़ मुडलपालिया स्थित गेहलोत भवन में तामीलनाडु पॉन ब्रोकर एंवम् गिरवी एसोसिएशन के प्रदेशाध्यक्ष स्वामी तेजानन्द का गिरवी व्यापारियों ने माला व शॉल ओढ़ाकर स्वागत किया गया। इस मौके पर व्यापारियों ने प्रदेशाध्यक्ष को समस्याओं से अवगत कराया ।इस अवसर पर सीरवी समाज सुकतकट्टे वडेर के अध्यक्ष रूगाराम चोयल,अशोक परिहार, नरेन्द्र गेहलोत, भानाराम गेहलोत, कानाराम सोलंकी, तरूण काग, सत्यनारायण परिहार, गोपाल चोयल पुष्पाजंली टुडे समाचार पत्र के ब्यूरो सीफ नारायणलाल सेंणचा सहित अनेक व्यापारी मौजूद थे।

कॉलेज छात्रों ने सुधा अमृत डेरी विदिशा का किया भ्रमण

पुष्पांजलि टुडे रिपोर्टर
अभिषेक कुशवाह

सिरोंज। बुधवार को शासकीय लाल बहादुर शास्त्री स्नातकोत्तर महाविद्यालय के छात्रों को स्वामी विवेकानंद करियर मार्गदर्शन प्रकोष्ठ के माध्यम से सुधा अमृत डेरी विदिशा का भ्रमण कराया गया जिसमें छात्रों ने दूध से बनने वाले उत्पाद एवं डेरी के संबंध में विस्तृत रूप से जाना साथ ही उदयगिरी का भ्रमण भी किया गया इस दौरान प्रोफेसर साधना कुमारी झा, प्रो. पूजा मिश्रा,प्रो. कल्पेश चौधरी, प्रो. लोकेश टोपिया, श्री अजय चौधरी, श्री शिवचरण पंथी, समाजसेवी छगन सिंह राजपूत एवं छात्र छात्राएं उपस्थित रहे।

भारत में उच्च शिक्षा को बड़ावा देने के लिए, भारत सरकार ने रिसर्च एंड डेवलपमेंट ऑर्गेनाइजेशन्स (आर एंड डी) और आईडब्ल्यूज तथा एनडब्ल्यूज जैसी सेंट्रल यूनिवर्सिटीज को मंजूरी दी है. टीचिंग प्रोफेशन बेशक आकर्षक पेशा है लेकिन इसमें काफी चुनौतियां भी आती हैं. आप अपने जोश और रूचि के अनुसार, एमटेक के बाद अपना करियर चुन सकते हैं. आप एमटेक की डिग्री हासिल करने के बाद, बड़ी सरलता से रिसर्च एंड डेवलपमेंट ऑर्गेनाइजेशन्स, मैन्युफैक्चरिंग फर्म्स और डब्ल्यूज कंपनियों में किसी प्रोजेक्ट मैनेजर, रिसर्च एसोसिएट और सीनियर इंजीनियर्स के तौर पर जॉब प्राप्त कर सकते हैं.

एमटेक प्रोफेशनल्स के लिए बड़िया रहेगा टीचिंग प्रोफेशन भी

आमतौर पर, अधिकांश स्टूडेंट्स अपनी एमटेक की डिग्री

प्राप्त करने के बाद एकेडेमिक जॉब्स करना पसंद करते हैं. आजकल, भारत में उच्च शिक्षा के क्षेत्र का बड़ी तीव्र गति से विकास हो रहा है और इस कारण डीम्ड यूनिवर्सिटीज, शिक्षा संस्थानों और कॉलेजों में टीचर्स और प्रोफेसर्स की मांग काफी बड़ रही है. एमटेक करने के बाद टीचिंग का पेशा ज्वाइन करने के लिए, स्टूडेंट्स को इस बात का ध्यान जरुर रखना चाहिए कि उनके पास दस पेशे के लिये बेहतरीन कम्युनिकेशन और प्रेजेंटेशन स्किल्स अवश्य होने चाहिए क्योंकि इन दोनों ही स्किल्स का टीचिंग प्रोफेशन में खास महत्व है. इसके अलावा, आपको टीचिंग का शौक भी

होना चाहिए और आपको बड़े धैर्य और शांति के साथ अपने स्टूडेंट्स के साथ व्यवहार करना चाहिए. आपको किताबें और जर्नल्स पड़ने की आदत डालनी होगी ताकि आपको अपने संबद्ध विषय में प्रचलित ट्रेंड्स की पूरी जानकारी हो.

शुरू करें अपनी कंपनी या स्टार्टअप

क्या आप एमटेक करने के बाद एक एंटरप्रेन्योर बनना चाहते हैंड़ यह बहुत बड़िया करियर ऑप्शन है. बहुत ही कम एमटेक ग्रेजुएट्स अपनी कंपनी खोलना चाहते हैं. हालांकि, आपके लिए यह एक अच्छी खबर है कि एमटेक की डिग्री के आधार पर आपको वेंचर कैपिटलिस्ट्स से फंड और इंवेस्टमेंट्स को लेकर काफी सहायता मिलेगी. अगर आप अपना काम या व्यापार पूरे डेडिकेशन के साथ करना चाहते हैं और आप उपयुक्त बिजनेस सेंस के साथ एक निडर व्यक्ति हैं तो आप अवश्य एक सफल एंटरप्रेन्योर बनेंगे. हमारी शुभकामनायें आपके साथ हैं.

पीएचडी - स्पेशलाइजेशन

पीएचडी होल्डर को हमेशा महत्वपूर्ण समझा जाता है और उन्हें काफी सम्मान मिलता है. अगर आप एमटेक के बाद डॉक्टोरल स्टडी करना चाहते हैं तो इससे आपको आश्चर्यजनक फायदा होगा बशर्ते आप अपना काम पूरी लगन और जोश सहित करें. एमटेक में आपके स्पेशलाइजेशन विषय के आधार पर ही पीएचडी में आपका स्पेशलाइजेशन विषय निर्धारित होगा. उदाहरण के लिए, अगर आपने मैकेनिकल इंजीनियरिंग में एमटेक की है तो पीएचडी में आपका स्पेशलाइजेशन का विषय मैकेनिकल इंजीनियरिंग से संबद्ध होगा. यद्यपि, आपका वास्तविक रिसर्च एरिया अंतिम तौर पर इंस्टिट्यूट कमेटी का संबद्ध विभाग स्टूडेंट्स के नॉलेज बेस और एप्टीट्यूड के आधार पर निर्धारित करता है.

आजकल, पीएचडी में इंटर-डिसिप्लिनरी अप्रोच काफी लोकप्रिय हो रही है. इसका यह मतलब है कि पीएचडी स्टूडेंट्स एक साथ दो पीएचडी स्पेशलाइजेशन्स चुन सकता है, जहां गाइडेंस के लिए एक से ज्यादा एक्सपर्ट्स की जरूरत पड़ेगी.

फेलोशिप्स

एनाज, आईाज और आईआईएससी, बैंगलोर जैसे प्रसिद्ध इंजीनियरिंग इंस्टिट्यूट्स की पीएचडी स्टूडेंट्स के लिए अपनी अलग फंडिंग पॉलिसीज हैं. फेलोशिप में रु. 19,000 - रु. 24,000 तक प्रतिमाह दिए जाते हैं. आमतौर पर, इस कोर्स की अवधि 3 वर्ष होती हैं जिसे जरुरत के मुताबिक बड़ाया जा सकता है.

स्कॉलरशिप्स

डिपार्टमेंट ऑड् इनफॉर्मेशन टेक्नोलॉजी, डिपार्टमेंट ऑड् साइंस एंड टेक्नोलॉजी, यूजीसी, एआईसीटीई और सीएसआईआर पीएचडी स्टूडेंट्स को स्कॉलरशिप्स ऑफर करते हैं. महिला साइंटिस्ट्स के लिए भी अलग स्कॉलरशिप स्कीम्स हैं. उक्त सरकारी संस्थानों के अलावा, शेल और माइक्रोसॉफ्ट जैसी प्राइवेट कंपनियां भी इंडस्ट्री संबंधी प्रॉब्लम्स में स्पेशलाइजेशन करने वाले पीएचडी स्टूडेंट्स को स्कॉलरशिप उपलब्ध करवाती हैं. इसके अलावा, कई प्राइवेट कंपनियां भी देश में रिसर्च एंड डेवलपमेंट एक्टिविटीज को बड़ावा देने के लिए इंवेस्टमेंट करके अपना योगदान देती हैं.

विदेश से हासिल करें पीएचडी की डिग्री

जो स्टूडेंट्स विदेश में पीएचडी करना चाहते हैं, उनके लिए काफी उज्वल संभावना होती है. स्टेनफोर्ड, पिट्सबर्ग, बर्कले और विस्कॉन्सिन जैसी काफी प्रसिद्ध यूनिवर्सिटीज, जो सभी जरुरी मॉडर्न फैसिलिटीज से पूरी तरह लैस होती हैं. इसलिये, ये यूनिवर्सिटीज आपकी पीएचडी की स्टडी बिना किसी रुकावट के पूरी करने के लिए बहुत उपयोगी साबित हो सकती हैं. विदेश में अपनी पीएचडी स्टडीज करने के लिए, स्टूडेंट्स को टीओईएफएल और जीआरई एग्जाम पास करने पड़ते हैं. इन एग्जाम्स में प्राप्त किये गये स्कोर्स के आधार पर, आप किसी सुप्रसिद्ध इंटरनेशनल कॉलेज में एडमिशन ले सकते हैं.

हमारे यहां पीएचडी प्रोग्राम्स के लिए जर्मनी और ऑस्ट्रेलिया को भी सबसे पसंदीदा स्थानों में शामिल किया जाता है. विभिन्न यूरोपीयन देशों में पीएचडी करने की लागत काफी कम है, हालांकि, इन देशों में कॉस्ट ऑड् लीविंग काफी ऊंची है.

एमटेक डिग्री होल्डर्स के लिए उपलब्ध हैं ये विशेष अवसर

भारत में एमटेक डिग्री होल्डर्स को मिलने वाले करियर ऑप्शन्स को निम्नलिखित 4 प्रमुख हिस्सों में बांटा जा सकता है:

पीएचडी/ रिसर्च डिग्री में एडमिशन, एमटेक की डिग्री मिलते ही तुरंत सूटेबल जॉब ज्वाइन करना,

किसी इंजीनियरिंग कॉलेज में टीचिंग करना, अपनी कंपनी या स्टार्टअप शुरू करना, फेक यूनिवर्सिटीज में एडमिशन लेने से जरुर बचें

यह बहुत बड़िया बात है कि आप किसी इंटरनेशनल यूनिवर्सिटी से अपनी पीएचडी की पड़ाई करने के बारे में प्लान कर रहे हैं।

जो स्टूडेंट्स भारत में पीएचडी करना चाहते हैं, उन्हें निम्नलिखित बातों का ध्यान रखना चाहिए

- कोई भी इंस्टिट्यूट चुनने से पहले, स्टूडेंट्स को उस इंस्टिट्यूट की इंफास्ट्रक्चरल फैसिलिटीज और लाइब्रेरी की कंडीशन, इक्विपमेंट्स, लेब्स आदि जैसी अन्य सुविधाओं को अच्छी तरह चेक कर लेना चाहिए.
- पीएचडी के स्पेशलाइजेशन एरिया के मुताबिक ही एक्सपर्ट्स का चयन किया जाना चाहिए. अन्यथा, पीएचडी स्टूडेंट और संबद्ध गाइड के बीच अलगाव की स्थिति हमेशा कायम रहेगी.
- असल में, कोई भी पीएचडी प्रोग्राम एक ओपन-एंडेड प्रोग्राम होता है और यह तब तक पूरा नहीं समझा जाता है जब तक कि स्टूडेंट्स अपना रिसर्च कार्य अच्छी तरह पूरा न करें. इसलिये, आप अपने पीएचडी के पहले वर्ष से ही अपने रिसर्च कार्य को पूरी गंभीरता के साथ करें.

पर्यावरण और राष्ट्रीय विकास में पर्यटन की महत्वपूर्ण भूमिका

छत्रसाल महाविद्यालय में इतिहास विभाग में राष्ट्रीय वेबिनार आयोजित, 125 से अधिक शोधार्थियों ने इसमें सहभागिता की, देश के प्रमुख इतिहासकारों अपने शोध पत्रों का वाचन किया

पुष्पांजलि टुडे से जिला ब्यूरो चीफ
हरिचरण प्रजापति

छत्रसाल शासकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय के इतिहास विभाग द्वारा एक राष्ट्रीय शोध वेबीनार का आयोजन किया गया। इस वेबीनार का विषय था- पर्यटन और उसकी ऐतिहासिकता- पर्यावरण और राष्ट्रीय विकास के संदर्भ में। इस राष्ट्रीय वेबिनार की अध्यक्षता डॉ. ए.के खरे ने की। वर्चुअल मोड पर आयोजित इस वेबिनार के मुख्य अतिथि महाराजा छत्रसाल बुंदेलखंड विश्वविद्यालय के कुलपति डॉ टीआर थापक थे, जबकि इस आयोजन के विशिष्ट अतिथि उच्च शिक्षा विभाग सागर संभाग के क्षेत्रीय अतिरिक्त संचालक थे। इस वेबीनार की संयोजक डॉ उषा मिश्रा प्राध्यापक एवं विभागाध्यक्ष इतिहास तथा सहसंयोजक डॉ एसके पटेल सह प्राध्यापक इतिहास थे।इस आयोजन के आयोजन सचिव डॉ विनय श्रीवास्तव सह प्राध्यापक इतिहास थे। प्रारंभ में संयोजक डॉ उषा मिश्रा ने अतिथियों का स्वागत करते हुए विषय की रूपरेखा प्रस्तुत की। आयोजन सचिव डॉ विनय श्रीवास्तव ने सचिव प्रतिवेदन प्रस्तुत करते हुए प्रस्तावित विषय की प्रासंगिकता और इसे राष्ट्रीय महत्व का बताया। इस राष्ट्रीय शोध वेबीनार के कीनोट एड्रेस प्रमुख वक्ता वरिष्ठ इतिहासविद् एवं सेवानिवृत्त प्राध्यापक प्रोफेसर सुरेश मिश्रा भोपाल थे। अपने कीनोट एड्रेस में प्रोफेसर मिश्रा ने वन्य प्राणियों और पर्यावरण की महत्ता पर प्रकाश डालते हुए उसे पर्यटन के लिए एक मुख्य आकर्षण का केंद्र बताया। प्रोफेसर मिश्रा ने मंडला के राष्ट्रीय उद्यान में विभिन्न पशु पक्षियों और वन्य प्राणियों पर अपने व्यक्तिगत सर्वेक्षण और शोध निष्कर्षों को तथ्य पूर्ण रुप से व्यक्त किया। उन्होंने कहा कि पशु पक्षियों और वन्य प्राणियों की मूक भाषा होती है, जो पर्यटकों को सहज अपनी ओर आकर्षित करते हैं। डॉ हरिशंकर गौर विश्वविद्यालय सागर के इतिहास विभाग के अध्यक्ष और लेखक डॉ बी के श्रीवास्तव ने पर्यटन

की ऐतिहासिकता को रेखांकित करते हुए उसे राष्ट्रीय परिपेक्ष्य और विकास का मुख्य साधन बताया। मध्यप्रदेश शासन पर्यटन विभाग के डायरेक्टर डॉ मनोज सिंह ने विद्यार्थियों में पर्यटन के प्रति रुचि जागृत करने का आवाहन करते हुए इसे रोजगार उन्मुखी पाठ्यक्रम बताया, और इसकी व्यापक ऐतिहासिकता पर प्रकाश डाला। गवर्नमेंट कॉलेज सतपुली, उत्तराखंड के प्राचार्य एवं इतिहास के वरिष्ठ प्राध्यापक प्रोफेसर संजय कुमार ने विषय को परिभाषित करते हुए इसकी सूक्ष्म मीमांसा प्रस्तुत की और राष्ट्रीय विकास तथा पर्यावरण के संदर्भ में पर्यटन की उपयोगिता पर व्यापक चर्चा की। प्रोफेसर संजय कुमार ने पर्यटन की आवश्यकता पर जोर देते हुए इसे अनिवार्य विषय के रूप में महाविद्यालय में पढ़ाए जाने पर जोर दिया तथा वर्तमान संदर्भ में इसे रोजगार का एक प्रमुख साधन बतलाया। होशंगाबाद की शासकीय नर्मदा महाविद्यालय की प्राध्यापक एवं इतिहास की विभागाध्यक्ष प्रोफेसर हन्सा व्यास ने पर्यटन और इसकी उपयोगिता पर अपने विचार व्यक्त किए। शासकीय केआरजी स्वशासी कन्या स्नातकोत्तर महाविद्यालय ग्वालियर की प्रोफेसर मीना श्रीवास्तव ने क्षेत्रीय पर्यटन को बढ़ावा देने की बात कही, जिससे रोजगार के नए अवसर विकसित होंगे। शासकीय राजीव गांधी स्नातकोत्तर महाविद्यालय मंदसौर की इतिहास की विभागाध्यक्ष और प्राध्यापक डॉ उषा अग्रवाल ने इतिहास और पर्यटन की प्रासंगिकता को अन्योन्याश्रित बताते हुए इसे वर्तमान रोजगार का एक प्रमुख साधन बताया। शासकीय विवेकानंद स्नातकोत्तर महाविद्यालय नीमच के समाजशास्त्र के विभागाध्यक्ष प्रोफेसर संजय जोशी ने पर्यटन को एक सामाजिक आवश्यकता निरूपित करते हुए इसे समाज के सभी वर्गों से जोड़ने का आह्वान किया। इंदिरा गांधी राष्ट्रीय मुक्त विश्वविद्यालय अमरकंटक के इतिहास के सहायक प्राध्यापक डॉ मोहनलाल चढ़ार ने क्षेत्रीय पर्यटन की आवश्यकता पर जोर देते हुए इसे राष्ट्रीय विकास का एक प्रमुख भाग बताया।

इस कार्यक्रम में लगभग 125 प्राध्यापकों एवं शोधार्थियों ने भाग लिया। महाविद्यालय के छात्र-छात्राएं भी इस कार्यक्रम से भारी संख्या में जुड़े हुए थे। अपने उद्देश्यों में यह वेबीनार पूर्ण रूप से सफल रहा तथा पर्यटन के विविध आयामों पर इस वेबीनार में व्यापक चर्चा की गई और शोध निष्कर्ष निकाले गए। कार्यक्रम के अंत में सह संयोजक डॉ एस के पटेल ने अतिथियों के प्रति आभार व्यक्त किया। संपूर्ण कार्यक्रम 3 सत्रों में आयोजित किया गया, जिसका सफल संचालन आयोजन सचिव डॉ विनय श्रीवास्तव द्वारा किया गया।

100 परसेंट लव जिहाद का है मामला, शीजान खान को लेकर तुनिषा शर्मा के चाचा ने किया बड़ा दावा

अली बाबा-दास्तान ए काबुल टीवी सीरियल के जरिए लोगों को भरपूर मनोरंजन करने वालीं एक्ट्रेस तुनिषा शर्मा के सुसाइड केस को लेकर लगातार नए-नए खुलासे हो रहे हैं. इस बीच अब तुनिषा शर्मा के चाचा पवन शर्मा ने बड़ा बयान दिया है. उनके मुताबिक पुलिस को इस मामले को लेकर लव जिहाद एंगल से अच्छी तरह से जांच करनी चाहिए. तुनिषा शर्मा के अंकल ने ये दावा किया है, उसकी मौत लव जिहाद की वजह से हुई है. मालूम हो कि तुनिषा के सुसाइड केस को लेकर उनके को-स्टार शीजान मोहम्मद खान को पुलिस ने हिरासत में ले रखा है. तुनिषा शर्मा सुसाइड केस को लेकर उनके चाचा पवन शर्मा के बयान के बाद से नया मोड़ आ गया है. इंडिया टुडे से बातचीत करते हुए पवन शर्मा ने बताया है कि- मेरा ऐसा मानना है कि ये 100 परसेंट लव जिहाद का मामला है. मैं चाहता हूं कि पुलिस इसकी स्पेशल तरीके से जांच करे, इतना ही नहीं पुलिस को हर अलग से इस केस की पूरी छानबीन करनी चाहिए. हम लोग नहीं जानते कि ये सुसाइड या और क्या है. हमारे पास कोई वीडियो रिकॉर्डिंग नहीं है. इतना ही नहीं तुनिषा शर्मा के अंकल ने पुलिस को लेकर भी सवाल उठाए हैं और कहा है कि- पुलिस प्रशासन इस मामले को आत्महत्या करार दे रहा है, पहले पुलिस को इस मामले की पूरी जांच कर लेनी चाहिए, उसके बाद इसे सुसाइड या फिर कुछ कहना चाहिए, यहां तक मेरा अनुमान है अब तक पुलिस ने हमारे परिवार में से किसी के भी बयान नहीं लिए हैं. तुनिषा शर्मा सुसाइड केस को लेकर उनके एक्स बॉयफ्रेंड और को-स्टार शीजान मोहम्मद खान को पुलिस ने हिरासत में ले रखा है. जहां पुलिस शीजान से लगातार पूछताछ कर रही है. इस दौरान पुलिस के एक अधिकार ने जांच के बाद बताया कि- तुनिषा शर्मा सुसाइड केस में लव जिहाद का कोई भी एंगल नहीं है. मेडिकल रिपोर्ट में ये बताया गया है कि ये एक्ट्रेस की मौत फांसी लगाने की वजह से ही हुई है.

करीना कपूर से लेकर सोनाक्षी सिन्हा तक, अगले साल ओटीटी पर अपनी पारी करेंगी शुरू

ओटीटी प्लेटफार्म को प्यार करने वाले दर्शकों के लिए साल 2023 कुछ बहुत ही खास गिफ्ट्स लेकर आने वाला है. जी हां फिल्म इंडस्ट्री पर राज करने वाली कई दिग्गज अदाकाराएं इस साल ओटीटी पर अपनी पारी शुरू करने के लिए पूरी तरह से तैयार हो गई हैं और इसी वजह से आने वाला साल ओटीटी दर्शकों के लिए बहुत ही स्पेशल होने वाला है. करीना कपूर खान की इस साल आमिर खान के साथ आई लाल सिंह चड्ढा फ्लॉप रही लेकिन साल 2023 में करीना कपूर अपने फैंस के लिए ओटीटी पर धमाका करने के लिए तैयार हो गई हैं. एक्ट्रेस डिवोशन ऑफ सस्पेक्ट एक्स के जरिए ओटीटी पर कदम रखेंगी. करीना कपूर की डिवोशन ऑफ सस्पेक्ट एक्स नेटफ्लिक्स पर रिलीज की जाएगी. फिल्मी दुनिया में अपनी एक्टिंग से दर्शकों के बीच एक बहुत ही खास जगह बनाने वाली काजोल का नाम फिल्म इंडस्ट्री की बहुत दिग्गज अदाकाराओं में लिया जाता है. नए साल पर काजोल द गुड वाइफ वेब सीरीज का डेब्यू करने के लिए तैयार हैं. काजोल स्टारर ये वेब सीरीज डिज्नी हॉटस्टार पर रिलीज की जाएगी. ओटीटी पर डेब्यू करने जा रही अदाकाराओं की लिस्ट में सोनाक्षी सिन्हा का नाम भी शामिल हो गया है. दरअसल सोनाक्षी सिन्हा मशहूर डाएरेक्टर रीमा कागती की दहाड़ से ओटीटी पर कदम रखने जा रही हैं. सोनाक्षी की दहाड़ अमेजॉन प्राइम वीडियो पर रिलीज की जाएगी. रंगीला में अपनी कातिलाना अदाओं से दर्शकों को अपना दीवाना बनाने वाली उर्मिला मातोंडकर तिवारी सीरीज से ओटीटी पर एंट्री करने जा रही हैं. उर्मिला की सीरीज मां बेटी के रिश्ते पर बेस होगी.

15 साल की रेखा को 5 मिनट तक जबरदस्ती किस करता रहा एक्टर

चाइल्ड एक्टर के तौर पर अपने फिल्मी करियर की शुरुआत करने वाली रेखा 180 से ज्यादा फिल्मों में काम कर चुकी हैं. फिल्मों में अपने शानदार अभिनय के लिए रेखा ने कई बड़े-बड़े अवॉर्ड्स भी जीते हैं. रेखा ने महज 4 साल की उम्र में फिल्मों में काम करना शुरू कर दिया था. 15 साल की उम्र में एक्ट्रेस ने अनजाना सफर से बॉलीवुड में कदम रखा. इस फिल्म के दौरान रेखा के साथ कुछ ऐसा हुआ था, जिसे याद कर एक्ट्रेस आज भी सिहर उठती हैं. रेखा की फिल्म अनजाना सफर में उनके साथ बिस्वजीत चटर्जी मुख्य भूमिका में नजर आए थे. इस फिल्म के निर्देशक राजा नवाथे थे. इस फिल्म के एक सीन में बिस्वजीत ने रेखा को जबरन किस किया था. वो 5 मिनट तक लगातार एक्ट्रेस को किस करते रहे थे. यासिर उस्मान ने रेखा के ऊपर लिखी अपनी किताब में इस वाकये का जिक्र किया है. इस किताब में बताया गया है कि 15 साल की रेखा बिस्वजीत के साथ किसिंग सीन को फिल्माने को तैयार नहीं थीं, इसके बावजूद एक्टर ने उन्हें जबरदस्ती किस किया था. इतना ही नहीं, जब तक ये सीन पूरा नहीं हुआ डायरेक्टर ने न तो कट बोला और न ही उन्हें जाने दिया. इस सीन के बाद रेखा इतनी डर गई थीं कि वे काफी समय तक लगातार रोती रही थीं. खबरों की मानें तो रेखा की जानकारी के बिना निर्देशक ने इस सीन को जानबूझकर अपनी फिल्म में रखा था. जब इस सीन की तैयारी हो गई और डायरेक्टर ने एक्शन बोला तो बिस्वजीत चटर्जी ने जबरन उन्हें किस करना शुरू कर दिया. रेखा यह देखकर घबरा गईं और उनकी आंखों से आंसू बहने लगे. अनजाना सफर के सेट पर हुई इस घटना ने देश के साथ विदेश में भी बवाल मचा दिया था. अंतर्राष्ट्रीय मैगजीन लाइफ मैगजीन ने भी रेखा के साथ हुई इस घटना को अपनी कवर स्टोरी पर छापा था.

पति करता था बहुत जुल्म, बेटे की खातिर 30 साल तक मारपीट सहती रहीं ये बड़ी एक्ट्रेस

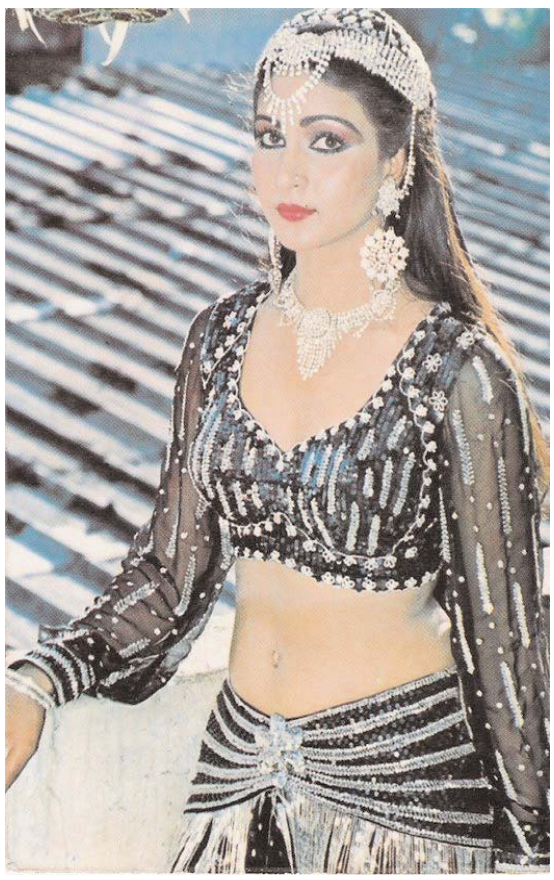

रति अग्निहोत्री 80 के दशक की बेहद पॉपुलर एक्ट्रेस में से एक थीं. रति ने बॉलीवुड इंडस्ट्री में तो अपनी खास पहचान बनाई ही थी वहीं वे साउथ फिल्म इंडस्ट्री में भी बेहद फेमस थीं. रति का जन्म10 दिसंबर, 1960 को एक रूढ़िवादी पंजाबी परिवार में हुआ था. महज 10 साल की उम्र में उन्होंने अपना मॉडलिंग करियर शुरू किया था और फिर 16 साल की होते ही उन्हें तमिल फिल्म में ब्रेक मिल गया था. बताया जाता है कि तमिल फिल्म निर्देशक, भारतीराजा की नजर रति पर पड़ी तो उन्होंने, उन्हें पथिया वरपुगल ऑफर कर दी.ये रति कि पहली फिल्म थी. रति के पिता से परमिशन मिल जाने के बाद, डायरेक्टर भारतीराजा ने रति के साथ उनकी पहली तमिल फिल्म की शूटिंग की, और एक पंजाबी होने के बावजूद, उन्हें उनके परफॉर्मेंस के लिए काफी सराहना मिली. रति ने तमिल, कन्नड़ और तेलुगु फिल्मों में काम करने के बाद 1981 में 'एक दूजे के लिए' के साथ बॉलीवुड में डेब्यू किया. अपने करियर के चार दशकों से अधिक समय में, रति ने अपनी वर्सेटाइल परफॉरमेंस के साथ हर कदम पर खुद को एक बेहतरीन एक्ट्रेस के रूप में साबित किया है. 80 के दशक के मिडिल तक रति बॉलीवुड की काफी प्रॉमिनेंट एक्ट्रेस बन चुकी थीं. लेकिन जब रति अपने करियर के पीक पर थी, तो उस दौरान वह एक सोशल इवेंट में मुंबई के एक बिजनेसमैन और आर्किटेक्ट, अनिल विरवानी से मिली और तब चीजें अचानक बदल गईं. रति के माता-पिता अनिल के साथ उनके रिश्ते के खिलाफ थे लेकिन रति अनिल से दिल लगा बैठी थीं. कुछ टाइम डेट करन के बाद रति और अनिल ने अपने माता-पिता की मौन अस्वीकृति के बावजूद 9 फरवरी, 1985 को शादी कर ली थी और उसके कुछ साल बाद, रति ने अपनी फैमिली के लिए अपने करियर से ब्रेक ले लिया था. रति ने शादी तो कर ली थी लेकिन अनिल के साथ उनकी मैरिड लाइफ अच्छी नहीं रही. अपनी शादी के पहले साल में ही, रति को अपने पति का असली रूप देखने को मिला क्योंकि अनिल ने उन्हे पीटना शुरू कर दिया था. जैसे-जैसे समय आगे बढ़ता गया, चीजें और बिगड़ती गईं. बताया जाता है कि अनिल उन्हें इतना पीटता था कि रति को खुद को बचाने के लिए घर के चारों ओर भागना पड़ता था. 1986 में, रति अग्निहोत्री और अनिल विरवानी ने बेटे, तनुज विरवानी का वेलकम किया. लेकिन दुर्भाग्य से, एक बच्चे के आने से भी रति और अनिल के बीच की इक्वेशन नहीं बदली, और 30 सालों तक, रति को घरेलू शोषण का शिकार होना पड़ा!

गौरव दिवस के उपलक्ष्य में शिक्षक सम्मान समारोह

पुष्पांजली टुडे

ग्वालियर। सेवार्थ पाठशाला की सभी शाखाओं में विगत कोरोना काल से झुग्गी झोपड़ी एवं निम्न आय वर्ग के बच्चों को विभिन्न स्थानों पर निशुल्क सेवा दे रहे सभी सम्मानीय स्वयंसेवक साथियों भगिनी ,बंधुओं का उनकी उत्कृष्ट सेवाओं के लिए शिक्षक सम्मान समारोह मोनी बाबा आश्रम कैंसर पहाड़िया पर रखा गया विदित हो कि झुग्गी झोपड़ी एवं निम्न आय वर्ग के बच्चों के लिए कोरोना काल से प्रारंभ हुई सेवार्थ पाठशाला के संरक्षक श्री ओपी दीक्षित जी को मध्यप्रदेश शासन द्वारा मनाए जा रहे गौरव दिवस (25 दिसंबर 2022) पर समाज सेवा, दिव्यांगों के लिए किए हुए कार्यों एवं सेवार्थ पाठशाला के सफल संचालन हेतु ग्वालियर में आयोजित गौरव सम्मान से सम्मानित किया गया था। मध्य प्रदेश के मुख्यमंत्री श्री शिवराज सिंह जी चौहान, श्री मंत श्री ज्योतिरादित्य सिंधिया जी एवं केंद्रीय मंत्री श्री नरेंद्र सिंह तोमर जी के द्वारा गौरव दिवस पर सेवार्थ पाठशाला समूह के संरक्षक श्री ओपी दीक्षित जी पूर्व व्याख्याता

डाइट ग्वालियर को उनके उत्कृष्ट कार्य एवं सेवार्थ पाठशाला समूह के सफल संचालन द्वारा झुग्गी झोपड़ी में रहने वाले श्रमिक वर्ग के बच्चों को निशुल्क शिक्षा , दिव्यांगों के लिए उनका समर्पित सेवा कार्य एवं अन्य अनेक सामाजिक कार्यों के प्रति स्वरूप सम्मानित किया गया। उन्हें भी इस अवसर पर सभी शिक्षक साथियों एवं समाजसेवियों द्वारा सम्मानित किया गया। इस अवसर पर सीनियर एसपी श्री अमित सांघी जी ,समाज सेविका श्रीमती शगुन वैश्य, नगर निगम ग्वालियर के ब्रांड एंबेसडर (स्वच्छता) श्री पवन दीक्षित, पाठशाला के संयोजक भूतपूर्व सेना अधिकारी श्री मनोज पांडे, श्री मोहनलाल अहिरवार, इंजीनियर रावत जी, श्री राकेश बाबू पांडे एवं तकरीबन 30 स्वयंसेवी शिक्षक एवं शिक्षिकाएं, 70 बच्चे मौजूद रहे । एसपी श्री अमित सांघी जी एवं अन्य समाजसेवियों द्वारा श्री ओपी दीक्षित जी को शॉल माला एवं नारियल से सम्मानित किया तत्पश्चात सभी स्वयंसेवी शिक्षकों का शॉल माला एवं मिठाई से सम्मान किया गया। इस अवसर पर मीडिया के बंधु श्री आशीष पांडे, अनूप पांडे, पुलिस थाना झांसी रोड टीआई श्री संजीव नयन शर्मा जी एवं अन्य समाजसेवी मौजूद रहे सभी उपस्थित महानुभावों ने अपने उद्बोधन में पाठशाला के प्रति कर्तव्य निष्ठ शिक्षकों एवं समाजसेवियों का आभार किया।

फैमिली प्लानिंग एसोसिएशन ऑफ इंडिया द्वारा गर्भवती महिलाओं हेतु जागरुकता एवं गोद भराई कार्यक्रम संपन्न

पुष्पांजली टुडे

ग्वालियर। फैमिली प्लानिंग एसोसिएशन ऑफ इंडिया की ग्वालियर शाखा द्वारा दिनांक 27 दिसंबर को आंगनवाडी केन्द्र पर गर्भवती महिलाओं हेतु एक जागरुकता कार्यक्रम का आयोजन किया गया था। कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य महिलाओं को सुरक्षित प्रसव हेतु जागरूक करना एवं गर्भावस्था की देखभाल हेतु जागरूक करना है। कार्यक्रम का संचालन कार्यक्रम। अधिकारी श्री अच्छेंद्र सिंह कुशवाह जी द्वारा किया गया । जिन्होंने विभिन्न योजनाओं एवं संस्था को गतिविधियों की जानकारी दी। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में संस्था की शाखा प्रबंधक श्रीमती नीलम दीक्षित जी द्वारा सुरक्षित प्रसव एवं गर्भावस्था में देखभाल पर विस्तार पूर्वक जानकारी दी गई। कार्यक्रम में संस्था की स्वास्थ्य कार्यकर्ता श्रीमती गीता सूर्यवंशी द्वारा महिलाओं को पोषण आहार एवं टीकाकरण की जानकारी दी गई। कार्यक्रम के अंत में 14 गर्भवती महिलाओं की गोदभराई संस्था द्वारा की गई। जिसमे उन्हें मिठाई, श्रीफल एवं सुहाग की सामग्री भेंट कि गई कार्यक्रम में आंगनवाड़ी सुपरवाइजर श्रीमती गायत्री जी उपस्थित थी।

मुख्यमंत्री आवासीय भू-अधिकार योजना के तहत पट्टे वितरण की कार्यवाही और राजस्व वसूली कार्य में तेजी लाएं: कलेक्टर

संभागीय ब्यूरो गौरी शंकर कुशवाहा की पुष्पांजलि टुडे की खबर

पन्ना-कलेक्टर श्री संजय कुमार मिश्र ने राजस्व अधिकारियों को मुख्यमंत्री आवासीय भू-अधिकार योजना अंतर्गत पट्टे वितरण की कार्यवाही और निर्धारित लक्ष्य अनुसार राजस्व वसूली के कार्य में तेजी लाने के निर्देश दिए हैं।

राजस्व अधिकारियों की समीक्षा बैठक संपन्न

गत मंगलवार को राजस्व अधिकारियों की बैठक में नामांतरण, बंटवारा व सीमांकन सहित राजस्व कार्यों की समीक्षा कर तय समयावधि में प्रकरण निराकरण के निर्देश भी दिए। इसके अतिरिक्त सीएम हेल्पलाइन, पीएम किसान सम्मान निधि, सीएम किसान कल्याण, मुख्यमंत्री जनसेवा अभियान, स्वामित्व योजना में भी समय सीमा में आवश्यक कार्यवाही के लिए निर्देशित किया गया। कलेक्टर श्री मिश्र ने बैठक के दौरान खरीफ उपार्जन 2022-23 के तहत तहसीलवार धान खरीदी संबंधी व्यवस्थाओं की जानकारी ली और समय पर कृषकों का भुगतान सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि अधिकारी गंभीरतापूर्वक दायित्वों का निर्वहन सुनिश्चित करें। किसी भी स्तर पर लापरवाही पाए जाने पर कड़ी कार्यवाही की जाएगी। खरीदी कार्य संबंधी व्यवस्थाओं के नियमित मॉनीटरिंग के लिए भी निर्देशित किया गया। खरीदी केन्द्रों पर बारदाना की उपलब्धता, फसल के उठाव व भण्डारण के लिए

प्राथमिकता के साथ कार्यवाही के निर्देश दिए। साथ ही खरीदी केन्द्रों में लापरवाही मिलने पर केन्द्र प्रभारी व नोडल अधिकारी के विरूद्ध कार्यवाही करने और उठाव न होने पर ट्रांसपोर्टर के खिलाफ कार्यवाही की बात कही। उपार्जन कार्य में संलग्न खाद्य एवं सहकारिता विभाग तथा नागरिक आपूर्ति निगम के अधिकारी-कर्मचारी की वेतन शत प्रतिशत परिवहन की शर्त पर आहरित करने के निर्देश भी दिए।

उन्होंने कहा कि प्रतिदिन के परिवहन प्लान से अवगत कराएं। एसडीएम को स्वीकृति पत्रों के निरीक्षण के निर्देश भी दिए। साथ ही कहा कि परिवहन के विरूद्ध शत प्रतिशत भुगतान की कार्यवाही सुनिश्चित करें और किसी भी समस्या पर तत्काल अवगत कराया जाए। केन्द्रों पर निर्धारित सेवाओं की दर सूची भी चस्पा कर चेक लिस्ट के अनुसार उपार्जन की कार्यवाही सुनिश्चित करें। प्रतिदिन केन्द्र की रिपोर्ट से अवगत कराएं। केन्द्र पर नियमित रूप से मूलभूत सुविधाओं की निगरानी कर बेहतर साफ-सफाई की व्यवस्था भी सुनिश्चित करें। नोडल अधिकारियों को केन्द्र खुलने से बंद होने तक निरंतर ड्यूटी के निर्देश देते हुए एसडीएम को प्रतिदिन भुगतान की समीक्षा के लिए कहा। कलेक्टर श्री मिश्र ने अधिकारियों से खाद उपलब्धता व समस्याओं के बारे में जानकारी लेकर निजी विक्रेताओं को भी डबल लॉक से उर्वरक विक्रय के निर्देश दिए। साथ ही सत्यापन कर रिपोर्ट प्रस्तुत करने के लिए कहा। व्यवस्थाओं की मॉनीटरिंग कर स्टॉक व दुकान के सत्यापन के लिए कहा। शासन की महत्वाकांक्षी योजनाओं में अपेक्षित प्रगति लाने के निर्देश भी दिए।

इंगित बाल गोष्ठी में वीर बाल दिवस मनाया गया

महेंद्र शर्मा, उपसंपादक पुष्पांजली टुडे

ग्वालियर। राम चरण रूचिर अनुसार मध्य भारतीय हिन्दी साहित्य सभा , दौलतगंज, लश्कर, ग्वालियर के तत्वावधान में इंगित बाल गोष्ठी ÷का आयोजन गत दिवस÷ गूगल मीट ÷ के आभासी पटल पर किया गया। कार्यक्रम की अध्यक्षता वरिष्ठ सा हित्यकार पुष्पा सिसौदिया ने की। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि रामचरण चिराड़ रुचिर÷ रहे। कार्यक्रम को एक सूत्र में पिरोने का कार्य वंशिका अग्रवाल ने किया। आदि भाषा संस्कृत में सरस्वती वंदना का गायन कार्यक्रम संयोजिका संगीता गुप्ता ने किया।मां वाणी के वंदन के बाद समृद्ध मंच का स्वागत श्रुति सिरोठिया ने किया ।तत्पश्चात् गोष्ठी में काव्यपाठ का क्रम आगे बढ़ा। नगर की वरिष्ठतम कवयित्री अस्सी वर्षीय पुष्पा सिसौदिया ने कंपा देने वाली सर्दी में संपूर्ण उत्साह के साथ पूरे समय धैर्य से बच्चों को सुना और अपने जीवन के कई रोचक संस्मरण सुनाये। उन्होंने कहा÷ कि सातवीं कक्षा उत्तीर्ण करते ही उनका विवाह तय हो गया था तब उन्होंने सीधे दसवी का प्रवेश फार्म भरा था। उन्हें उसी समय सभा भवन के एक कार्यक्रम में तीन स्वरचित कविताएं सुनाने पर श्रद्धेय जगन्नाथ मिलिंद के हाथ से प्रथम पुरस्कार मिला था। मुख्य अतिथि राम चरण चिराड़ रुचिरने कहा, कि बाल कवियों की पौध तैयार करने में साहित्य सभा महती भूमिका निभा रही है। इस अवसर पर उन्होंने प्रेरक उद्बोधन देते हुए दोहे प्रस्तुत किए उन्होंने कहा

तन की पोषक शरद ऋतु, व्याधि रहे न पास।

पाचन गति में वृद्धि हो ,भोज्य द्रव्य लें खास।।

कार्यक्रम संयोजिका कवियत्री संगीता गुप्ता ने वीर बाल दिवस के उपलक्ष्य में गुरू गोविन्द सिंह के दो पुत्रों जोरावर सिंह और फतेह सिंह के बलिदान की कथा सुनाई।इसके अलावा उन्होंने बालगीत कोहरा,सर्दी या बरसात सुनाया। बाल कवि वंशिका अग्रवाल ने अटलजी पर कविता सुनाई। श्रुति सिरोठिया ने ÷योग करो भाई योग करो÷ बाल गीत सुनाया। आदित्य शर्मा ने छतरपुर से सम्मिलित होते हुए बाल कविता सुनाई। प्रियांशु कुशवाह ने ÷तुम आगे बढ़ते रहना , दुनिया है न टांग खींचने के लिए... कविता सुनाई। कार्यक्रम में श्रोताओं के रूप में कवयित्रीद्वय कुंदा जोगलेकर और पुष्पा शर्मा उपस्थित रहीं।साथ ही सभा के सहमंत्री उपेन्द्र कस्तूरे भी पूरे समय साथ रहे। कार्यक्रम के अंत में श्रुति सिरोठिया ने सभी का आभार प्रदर्शन किया।

दहलान चैकी में लगाया विधिक साक्षरता शिविर

संभागीय ब्यूरो गौरीशंकर कुशवाहा की पुष्पांजलि टुडे की खबर

पन्ना- जिला विधिक सेवा प्राधिकरण कार्यालय

द्वारा गत दिवस ग्राम दहलान चैकी के पंचायत भवन में विधिक साक्षरता शिविर के माध्यम से ग्रामवासियों को उपयोगी जानकारियों से अवगत कराया गया। जिला विधिक सहायता अधिकारी देवेन्द्र सिंह परस्ते ने लोक अदालत, स्थायी व निरंतर लोक अदालत के विषय जैसे वायु, जल, नल, स?क मार्ग, विद्युत जैसे जनउपयोगी विषयों के मामले को जनोपयोगी लोक अदालत के जरिए निराकृत करवाने के लिए प्रेरित किया। विधिक जानकारियों से भी उपस्थित ग्रामवासियों को अवगत कराया गया। इसके साथ ही आपराधिक गतिविधियों से दूर रहने की समझाईश भी दी गई। इस मौके पर घरेलू हिंसा से महिलाओं का संरक्षण, म.प्र. अपराध पीि?त प्रतिकर योजना 2015, दहेज प्रतिषेध अधिनियम, बाल विवाह प्रतिषेध व अन्य विधि योजनाओं की जानकारी भी दी गई। शिविर में सरपंच शिवचरण सिंह यादव, सचिव राजकिशोर कुशवाहा सहित ग्रामीणजन उपस्थित थे।

रोजगार मेला आज

संभागीय वीरो गौरीशंकर कुशवाहा की पुष्पांजलि टुडे की खबर

पन्ना-शासकीय पॉलीटेक्निक महाविद्यालय पन्ना में 29 दिसम्बर को सुबह 10 बजे से शाम 4 बजे तक जिला स्तरीय कौशल एवं रोजगार मेला आयोजित किया गया है। कलेक्टर श्री संजय कुमार मिश्र ने जिला पंचायत सीईओ श्री संघ प्रिय को संपूर्ण कार्यक्रम के लिए जिला स्तरीय नोडल अधिकारी बनाया है। मेले से संबंधित व्यवस्थाओं के लिए अन्य विभागीय अधिकारियों को भी दायित्व सौंपे गए हैं। रोजगार मेला में साक्षात्कार के माध्यम से बेरोजगार युवाओं का विभिन्न कंपनियों में वैतनिक रोजगार के लिए चयन किया जाएगा।

महिला मेट का दो दिवसीय प्रशिक्षण संपन्न

संभागीय ब्यूरो गौरी शंकर कुशवाहा की पुष्पांजलि टुडे की खबर

पन्ना- जनपद पंचायत पन्ना में महिला मेट के दो दिवसीय प्रशिक्षण का आज समापन हुआ। आयुक्त म.प्र. राज्य रोजगार गारंटी परिषद के निर्देशानुसार 27 एवं 28 दिसम्बर को महिला मेट का प्रशिक्षण आयोजित किया गया था। इस प्रशिक्षण में पन्ना सहित छतरपुर, टीकमगढ़, निवाड़ी और कटनी जिले की प्रत्येक जनपद से महिला मेट ने सहभागिता की। जिला पंचायत सीईओ संघ प्रिय ने महिला मेट के प्रशिक्षण का शुभारंभ कर मार्गदर्शन प्रदान किया। एनजीओ के रिसोर्स पर्सन द्वारा प्रशिक्षण प्रदान किया गया। सहायक यंत्री आर.आर. शर्मा ने तकनीकी और अतिरिक्त कार्यक्रम अधिकारी भगवत पटेल ने मनरेगा संबंधी प्रशिक्षण प्रदान किया। महिला मेटों को कई गतिविधियों के बारे में आवश्यक जानकारियां भी प्रदान की गईं। समापन अवसर पर प्रशिक्षण प्रमाण पत्र का वितरण किया गया। इस अवसर पर परियोजना अधिकारी संजय सिंह परिहार एवं जनपद पंचायत सीईओ पी.एल. पटेल भी उपस्थित रहे।

नोडल अधिकारी की नियुक्ति

संभागीय ब्यूरो गौरीशंकर कुशवाहा की पुष्पांजलि टुडे की खबर

पन्ना-कलेक्टर एवं जिला निर्वाचन अधिकारी श्री संजय कुमार मिश्र ने सरपंच एवं पंच पद के उप निर्वाचन के तहत मतपत्र प्रबंधन, स्ट्रांग रूम स्थापना व संचालन, ईव्हीएम वितरण व वापसी उपरांत सुरक्षित भण्डारण, मतगणना के लिए ईव्हीएम का प्रदाय तथा डीएमएम सीलिंग से संबंधित सभी कार्यों के संपादन के लिए नोडल अधिकारी की नियुक्ति की है। जिला कोषालय अधिकारी गौरव गुप्ता को तत्काल प्रभाव से नोडल अधिकारी नियुक्त किया गया है।

माधव वृद्धाश्रम में विधिक साक्षरता शिविर आयोजित कर दी कानून की जानकारी

पुष्पांजली टुडे

ग्वालियर। वर्तमान परिदृश्य में वरिष्ठ नागरिकों के प्रति संवेदनशीलता रखने व उनके साथ सम्मानजनक व्यवहार किए जाने की जरूरत है। वरिष्ठ नागरिकों की देख-भाल करना तथा उनको उनकी वृद्धावस्था में परित्यक्त नहीं छो?ना बच्चों का नैतिक कर्तव्य है। वरिष्ठ नागरिकों की सेवा करने से परिवार की समृद्धि में उत्तरोत्तर ब?ोत्तरी होती है। यह बात जिला विधिक सहायता अधिकारी श्री दीपक शर्मा ने नालसा (वरिष्ठ नागरिकों के लिये विधिक सेवाएं) योजना 2016 के अंतर्गत सचिव जिला विधिक सेवा प्राधिकरण श्री गालिब रसूल के मार्गदर्शन में माधव वृद्धाश्रम में आयोजित विधिक साक्षरता शिविर में वरिष्ठ नागरिकों के साथ उनके अधिकारों के संबंध में कानूनी चर्चा करते हुए कही, कार्यक्रम में पैनल अधिवक्ता सुश्री शिल्पा डोगरा ने वरिष्ठ नागरिकों के साथ दुर्व्यवहार करने वाली संतानों के प्रति दण्डात्मक कार्यवाही करने तथा माता पिता एवं वरिष्ठ नागरिकों का भरण पोषण एवं कल्याण अधिनियम 2007 के प्रभावी क्रियान्वयन की आवश्यकता बताई, कार्यक्रम का संचालन पैरालीगल वालेंटिय श्री वासुदेव मिश्रा ने तथा आभार प्रदर्शन माधव आश्रम के संचालक श्री नूतन श्रीवास्तव ने किया, इस अवसर पर माधव वृद्धाश्रम के सचिव श्री श्याम श्रीवास्तव, संचालिका श्रीमती सीमा सक्सेना सहित वरिष्ठ नागरिक उपस्थित रहे।

स्वामी, प्रकाशन, मुद्रक एवं संपादक भरत सिंह चौहान द्वारा वॉइस ऑफ मध्यांचल मीडिया नेटवर्क प्राइवेट लिमिटेड 101 वैष्णोपुरम एबी रोड बिरलानगर ग्वालियर म.प्र. 474004 से मुद्रीत करा कर दीपू इलेक्ट्रॉनिक हनुमान मंदिर के पास भिण्ड रोड गोले का मंदिर जिला ग्वालियर मध्यप्रदेश 474005 से प्रकाशित। भरत सिंह चौहान पी. आर. बी. एक्ट के तहत समाचार चयन के लिए जिम्मेदार। E-mail : Pushpanjalitoday@gmail.com 0751-4050784, Mob.:8269307478